आज का विचार

अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है, जो जिंदगी भर आपके काम आती है।

दैनिक
सिटी दर्पण
आईना सच का

6

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़। शुक्रवार, 29, नवंबर, 2024 | वर्ष 22, अंक 292, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठः 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

शंखनाद की ध्वनि के साथ सरस व शिल्प मेले के उद्घाटन से हुआ अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 के शिल्प व सरस मेले की सबसे सुंदर शुरूआत, ढोल-नंगाड़ो, शिल्पकारों और कलाकारों का अद्भुत संगम

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़ (सिटी दर्पण)

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शंखनाद की ध्वनि के बीच कुरुक्षेत्र में सरस और शिल्प मेले के उद्घाटन किया और इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस सरस और शिल्प मेले के शुभारंभ के साथ ही प्रदेश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों और शिल्पकारों की खुशी का ठिकाना ना रहा। इन कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति की छटा बिखेर कर उद्घाटन समारोह को यादगार बनाने के साथ-साथ चार चांद लगाने का काम किया। इस सरस और शिल्प मेले के साथ राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंत्रौच्चारण के बीच महोत्सव के मीडिया सेंटर का भी उद्घाटन किया।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने वीरवार को ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 में दीपशिखा प्रज्जवलित करके परंपरा अनुसार सरस और शिल्प मेले का शुभारंभ किया और श्रीमदभगवद गीता की प्रति पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धा को व्यक्त किया। इसके पश्चात राज्यपाल ने ब्रह्मसरोवर के तट पर शिल्प और सरस मेले का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने ढोल-नंगाड़ा पार्टी, करतब दिखा रहे कलाकार, नृत्य कर रहे कलाकार और बीन पार्टी से बातचीत की। इतना ही नहीं राज्यपाल ने सरस मेले में जोधपुर से महोत्सव में पहली बार आई शिल्पकार प्रेमवती, भिवानी से शिल्पकार वीरेंद्र, राजस्थान की शिल्पकार अमोलक, हिमाचल हमीरपुर के शिल्पकार मेहर से उनकी शिल्पकला के बारे में विस्तार से पूछा। इन स्टॉलों पर राज्यपाल ने कुछ मिनट बिताए और शिल्पकला और सेल्फ हेल्प ग्रुप के बारे में भी जानकारी हासिल की। राज्यपाल ने इन स्टॉलों पर हाथ से बने कसीदा कला, हाथ से बने लोहे के बर्तन की प्रशंसा की है। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकला को देखकर शिल्पकारों के साथ अपने मन की भावनाओं को भी साझा किया।

उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए ऐतिहासिक अवसर है। इस शिल्प और सरस मेले की सुंदर और भव्य शुरूआत शिल्पकारों के लिए सार्थक होगी। इस ब्रह्मसरोवर के पावन तट पर दूर-दराज से आने वाले लाखों पर्यटकों के लिए एक मंच पर विभिन्न राज्यों के शिल्पकारों और सरस मेले में पहुंचे सेल्फ हेल्प ग्रुप के सदस्यों की कला देखने को मिलेगी। यह दृश्य पर्यटकों के लिए अद्भुत और अनोखा होगा। इस मेले के लिए केडीबी और प्रशासनिक अधिकारी बधाई के पात्र है, सभी के साझे प्रयासों से इस मेले का परंपरा अनुसार आगाज हुआ है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 का आयोजन 28 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा और मुख्य कार्यक्रम 8 दिवसीय होंगे और यह कार्यक्रम 5 से 11 दिसंबर तक चलेंगे। इस महोत्सव में संत सम्मेलन, दीपोत्सव, गीता सेमिनार, वैश्विक गीता पाठ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इन कार्यक्रमों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी और प्राचीन संस्कृति से आत्मसात होने का अनोखा अवसर भी मिलेगा।

उपायुक्त नेहा सिंह ने मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि तीर्थ यात्रियों के लिए प्रशासन की तरफ से पुख्ता इंतजाम किए गए है। इस मौके पर थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, अंबाला मंडल आयुक्त गीता भारती, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंघल, केयूके के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, एनआईटी के निदेशक डा. के रमना, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया, केयूके कुलसचिव डॉ. संजीव शर्मा, केडीबी मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, 48 कोस तीथ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुशील राणा, प्राधिकरण के सदस्य सौरव चौधरी, डा. रमनीत सिंह, केडीबी सदस्य अशोक रोसा, डॉ. ऋषिपाल मथाना, कैप्टन परमजीत सिंह, युद्धिष्ठद्दर बहल, तिजेंद्र गोल्डी, सुभाष पाली आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के शुभारंभ का ऐतिहासिक अवसर है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र की भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। यह गीता ज्ञान उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। कुरुक्षेत्र भी उस वक्त जितना उपयोगी था, आज भी उतना ही उपयोगी है। गीता का यह संदेश युगों-युगों तक याद रखा जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि गीता महोत्सव न केवल कुरुक्षेत्र की भूमि पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर भी मनाया जा रहा है। आज विधिवत रूप से सरस मेले के उद्घाटन के साथ इसका शुभारंभ हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि देश और विदेश से लोग अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंचेंगे। इस बार भी लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। इसके साथ-साथ विभिन्न प्रांतों से कलाकार, शिल्पकार, कारीगर व सामान बेचने वाले स्वयं सहायता समूह महोत्सव में पहुंचे हैं। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है और लोगों को हमारी संस्कृति जानने का अवसर भी मिलता है।

पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में सरकार के प्रयास हुए सार्थक:दत्तात्रेय

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि पवित्र ग्रंथ गीता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में केंद्र और राज्य सरकार के प्रयास सार्थक हुए है। अब महोत्सव का आयोजन विदेशों में किया जा चुका है और आने वाले समय में भी अलग-अलग देशों में महोत्सव के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के संदेश को विदेशों तक पहुंचाने में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय वीरवार को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 के अवसर पर केडीबी के सभागार में बनाए गए मीडिया सेंटर का उद्घाटन करने के उपरांत बातचीत कर रहे थे। इससे पहले राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, अंबाला मंडल आयुक्त गीता भारती, उपायुक्त नेहा सिंह, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा ने मीडिया सेंटर का उदघाटन किया। राज्यपाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र एक आध्यात्मिक, धार्मिक और शिक्षा का केन्द्र है। इस महान भूमि की धूल को मानव अपने माथे पर लगाकर स्वयं को धन्य मानता है। इसे भारत की प्राचीन संस्कृति का उद्गम स्थल भी कहा जाता है। कुरुक्षेत्र विश्व भर में ऋषियों-मुनियों तथा देवताओं की तपोस्थली, कर्मभूमि और यज्ञ भूमि के रूप में विख्यात है। पत्रकार समाज का बेहद ही महत्वपूर्ण अंग होते है। प्रजातंत्र में प्रेस की भूमिका से आप भली भांति परिचित हैं। प्रेस को प्रजातंत्र का चौथा स्तम्भ भी कहा जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि देश की आजादी से पहले भारत को आजाद करवाने और आजादी के बाद भी प्रैस ने राष्ट्र-निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाते हुए अपनी उपयोगिता को पूरी शक्ति के साथ प्रमाणित किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के गठन के पश्चात 48 कोस कुरुक्षेत्र भूमि के तीर्थो का विकास कार्य प्रारम्भ हुआ। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस क्षेत्र में सैंकड़ों तीर्थ फैले हुए हैं जिनमें से बोर्ड द्वारा अभी तक लगभग 182 तीर्थों का दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। तीर्थ सर्वेक्षण का यह कार्य वर्तमान में भी निरंतर चल रहा है। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आगामी 15 दिसंबर तक चलेगा। कुरुक्षेत्र एक धर्मनगरी, कर्मनगरी, पुण्य भूमि और मोक्ष की भूमि है। इस अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में देश व विदेश से कई शिल्पकार आ रहे है। गीता को विद्यार्थियों के बीच में ले जाकर उन्हें पवित्र ग्रंथ गीता के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है। इस महोत्सव में गीता पाठ, गीता शकोच्चारण व संत सम्मेलन जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। इनके अलावा गीता के विषय में जाने-माने कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। इस मौके पर थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, अंबाला मंडल आयुक्त गीता भारती, उपायुक्त नेहा सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंघल, केयूके के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, एनआईटी के निदेशक डा. के रमना, केडीबी सीईओ पंकज सेतिया, केयूके कुलसचिव डा. संजीव शर्मा, केडीबी मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, 48 कोस तीथ निगरानी कमेटी के चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुशील राणा, प्राधिकरण के सदस्य सौरव चौधरी, डा. रमनीत सिंह, केडीबी सदस्य अशोक रोसा, डा. ऋषिपाल मथाना, कैप्टन परमजीत सिंह, युद्धिष्ठद्दर बहल, तिजेंद्र गोल्डी, सुभाष पाली आदि उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मंत्रोच्चारण के बीच महोत्सव की महाआरती का किया शुभारंभ

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मंत्रोच्चारण और शंखनाद की ध्वनि के बीच सांय कालीन महाआरती का शुभारंभ किया। गीता महोत्सव की इस आरती से ब्रह्मसरोवर की पूरी फिजा भक्ति रस में डूब गई। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 में वीरवार को देर सायं कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सहयोग से ब्रह्मसरोवर पुरुषोत्तमपुरा बाग में सांय कालीन आरती का आयोजन किया गया। महोत्सव के पहले दिन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, विधायक अशोक अरोड़ा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, महंत बंसीपुरी महाराज, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, अंबाला मंडल आयुक्त गीता भारती, उपायुक्त नेहा सिंह, केयूके कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा, निट के निदेशक के रमणा, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंघल, मानद सचिव उपेंद्र सिंघल, चेयरमैन मदन मोहन छाबड़ा, भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील राणा, उपनिदेशक डा. प्रीतम सिंह, तिजेंद्र गोल्डी, सौरभ चौधरी, डा. ऋषिपाल मथाना, विजय नरुला, अशोक रोशा, डा. रवनीत सिंह आदि ने शंखनाद और मंत्राोच्चारण के बीच संध्या कालीन आरती का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम से पहले केडीबी की तरफ से प्रसिद्ध कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुति देकर ब्रह्मसरोवर के वातावरण में भक्ति रस घोल दिया। ब्रह्मसरोवर की सायं कालीन आरती में पंडित बलराम गौतम, सोमनाथ शर्मा, अनिल गौतम, रोहित कौशिक, रूद्र गौतम ने आरती करवाई और मंत्रोच्चारण का जाप किया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि ब्रह्मसरोवर की आरती से पर्यावरण शुद्ध होता है। यह एक आदि भौतिक, आदि दैविक एवं आध्यात्मिक दृष्टि के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से भी एक सिद्ध समग्र एवं समन्वित उपक्रम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वच्छता को लेकर एक बहुत अच्छा अभियान शुरू किया है। इस अभियान में हर व्यक्ति को अपना सहयोग देना चाहिए। इस महोत्सव को भी स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करना चाहिए। जिस घर, मोहल्ले, शहर और प्रदेश में स्वच्छता होगी, वहां के नागरिक स्वस्थ होंगे और स्वस्थ व्यक्ति देश और प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे सकेगा।

भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है: प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न देशों में भारतीय संस्कृति की प्रस्तुतियों का एक वीडियो संकलन साझा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं के दौरान अक्सर पारंपरिक भारतीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की झलक देखने को मिलती है।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय संस्कृति विश्व स्तर पर गूंज रही है। मैं जहां भी जाता हूं, मुझे अपने इतिहास और संस्कृति के प्रति अपार उत्साह दिखाई देता है, जो बेहद खुशी की बात है।

वीडियो में लोगों को ऑस्ट्रिया में वंदे मातरम गाते और पोलैंड और मास्को (रूस) में गरबा, कजान (रूस) में ढोलिडा, भूटान में डांडिया रास, सिंगापुर में भरतनाट्यम और लाओस और ब्राजील में रामायण गाते हुए दिखाया गया है।

इसमें भूटान के कलाकार भी शामिल थे, जो प्रधानमंत्री का उल्लेख करते हुए एक गीत गा रहे हैं।

हेमंत सोरेन आज फिर संभालेंगे झारखंड की कमान; ममता, राहुल के शपथ समारोह में शामिल होने की संभावना

एजेंसी
रांची

हेमंत सोरेन आज यानी बृहस्पतिवार को यहां एक भव्य समारोह में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई शीर्ष नेता शामिल होंगे।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार शाम चार बजे सोरेन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 49 वर्षीय नेता का मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल होगा।

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों के अंतर से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट हासिल करके अपना बहुमत बनाए रखा, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 24 सीट मिलीं।

शपथ ग्रहण समारोह के आयोजन के पोस्टर पूरे रांची में देखे जा सकते हैं। राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है तथा यातायात नियम लागू कर दिए गए हैं। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के शपथ ग्रहण के मद्देनजर बृहस्पतिवार को रांची शहर में स्कूल बंद है। कांग्रेस की झारखंड इकाई के प्रभारी और पार्टी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने कहा कि सिर्फ सोरेन शपथ लेंगे और विधानसभा में विश्वास मत के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा।

शपथ लेने से कुछ घंटे पहले हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर कहा कि एकता राज्य के लोगों का सबसे बड़ा हथियार है, जिन्हें न तो विभाजित किया जा सकता है और न ही चुप कराया जा सकता है। भाजपा नीत केंद्र सरकार पर स्पष्ट हमला करते हुए सोरेन ने यह भी कहा कि जब भी ह्यवे हमें चुप कराने की कोशिश करते हैंह्न, तो क्रांति और तेज हो जाती है। सोरेन ने पोस्ट किया, इसमें कोई संदेह न रखें - हमारी एकता ही हमारा सबसे बड़ा हथियार है। हमें न विभाजित किया जा सकता है, न ही शांत किया जा सकता है। जब जब वे हमें पीछे धकेलते हैं, हम आगे बढ़ते हैं। जब जब वे हमें चुप करना चाहते हैं, हमारी हूल, उलगुलान, क्रांति की आवाज और प्रखर होती जाती है क्योंकि हम झारखंडी हैं और झारखंडी झुकते नहीं हैं।

उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई अटल है, अविराम है। संघर्ष जारी है और आखिरी सांस तक जारी रहेगा। आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने कहा कि यह हमारे सामूहिक संघर्षह्न, प्रेम और भाईचारे की भावना तथा न्याय के प्रति झारखंडियों की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।

सोरेन ने कहा, आज जब सामाजिक संरचना में गहरी दरारें पैदा हो रही हैं, तब हमें अपने पूर्वजों की उस एकता और हर झारखंडी को साथ ले कर चलने के संकल्प को पुनः दोहराना होगा।

चित्रकूट के भौतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध : आदित्यनाथ

एजेंसी
चित्रकूट/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि चित्रकूट धाम को उसकी पौराणिक और ऐतिहासिक पहचान दिलाने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है और इस पवित्र धाम के आध्यात्मिक के साथ-साथ भौतिक विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने चित्रकूट के अपने एक दिवसीय दौरे पर जन प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर विकास एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की जिसके बाद वह श्री महाराजाधिराज मतगजेंद्र नाथ शिव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।

मुख्यमंत्री इसके बाद रामघाट पहुंचे, जहां उन्होंने मां मंदाकिनी के तट पर खड़े होकर इस पवित्र नदी की आरती उतारी और प्रदेश वासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री मां मंदाकिनी की पांच अर्चकों द्वारा होने वाली दैनिक आरती में भी शामिल हुए।

आदित्यनाथ ने अपने सम्बोधन में कहा कि जहां कभी भगवान श्रीराम ने संत तुलसीदास जी को दर्शन दिया था, आज उस पवित्र स्थल का दर्शन और पूजन करना उनके लिए सौभाग्य का विषय है तथा सरकार चित्रकूट के भौतिक विकास और आध्यात्मिक उन्नयन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, "यह सनातन धर्म का पौराणिक तीर्थ है। प्रभु श्रीराम ने वनवास काल में सर्वाधिक समय इसी चित्रकूट में व्यतीत किया था। अति प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों और अनेक तपोनिष्ठ संतों ने इसी चित्रकूट धाम में रहकर अपनी आध्यात्मिक साधना को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। आज हमारा सौभाग्य है कि संतों के सानिध्य में इस चित्रकूट धाम के लिए कुछ करने का सौभाग्य हमारी ह्यडबल इंजनह्न की सरकार को प्राप्त हुआ है।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि चित्रकूट के आध्यात्मिक और धार्मिक के साथ ही भौतिक विकास पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां हवाई अड्डा बनकर तैयार है और इसे विस्तार दिया जा रहा है जिससे यहां दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी और अयोध्या से आने वाले बड़े विमान भी उतर सकें।

आदित्यनाथ ने विकास कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि बुंदेलखंड लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि लालापुर स्थित महर्षि वाल्मीकि की पावन जन्मस्थली के सुंदरीकरण का कार्य हो या संत तुलसीदास की पावन जन्मस्थली, इन सभी की सुरक्षा और सुंदरीकरण का कार्य हो रहा है।

छात्र संघ की जगह युवा संसद के गठन पर विचार करें विश्वविद्यालय : योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनीति में अच्छे और पढ़े लिखे युवाओं के आने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आह्वान दोहराते हुए बुधवार को कहा कि विश्वविद्यालयों को यह विचार करना चाहिए कि छात्र संघ की जगह क्या युवा संसद का गठन कर सकते हैं। यहां इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 136वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ह्यह्यइस युवा संसद के लिए हर कक्षा में तय होना चाहिए कि पहले ही वर्ष में कोई छात्र चुनाव लड़ने के लिए ना आने पाए। उन्होंने कहा, हर कक्षा में पहले वर्ष प्रतिनिधि चुने जाएं और फिर उन प्रतिनिधियों में तय किया जाए कि कौन दूसरे या तीसरे वर्ष या फिर स्नातकोत्तर कक्षा में चुनाव के मैदान के लिए खुद को तैयार कर सकते हैं और कौन चुनाव लड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, जीवन के अलग-अलग क्षेत्र में कार्य करने वाले वे छात्र समाज को दिशा दे सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने एक घटना साझा की जिसमें उन्हें एक विश्वविद्यालय में एक व्यक्ति मिला जिसकी उम्र बहुत अधिक थी। तभी उन्हें किसी ने बताया कि अमुक व्यक्ति छात्र संघ का उपाध्यक्ष है और उसका बेटा उसी विश्वविद्यालय में बीए का छात्र है। मुख्यमंत्री ने कहा, इस घटना से मुझे लगा कि उस व्यक्ति ने छात्र संघ का पदाधिकारी बनने के लिए ही विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया है। आखिर इसकी भी एक सीमा होनी चाहिए। विश्वविद्यालय में कोई लंबे समय तक रहना चाहता है तो वह शोध करे। छात्र संघ का चुनाव लड़ने के लिए एक समय सीमा तय करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सत्र नियमित करके समय से छात्रसंघ के चुनाव कराने चाहिए। लेकिन इसके लिए भी छात्रों को एकत्रित करने उनके बीच वाद विवाद (डिबेट) कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा, याद रखें कि जाति, मत और मजहब के आधार पर जब भी आप युवा शक्ति को बांटोगे, यह विभाजन ना केवल भारत की प्रतिभा का होगा, बल्कि यह उनके विकास की धारा को भी बाधित करेगा।

लालजीत सिंह भुल्लर द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर कम करने के लिए व्यापक अभियान की शुरूआत

सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों की मासिक समीक्षा, सीसीटीवी निगरानी, ऑनलाइन चालान प्रणाली और जवाबदेही उपायों पर विस्तृत योजना तैयार

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की दर कम करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए पंजाब के परिवहन मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर ने आज राज्य में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए एक बहु-आयामी रणनीति तैयार की। उन्होंने यातायात उल्लंघनों के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति अपनाने पर जोर दिया और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

पंजाब भवन में आयोजित पंजाब राज्य सड़क सुरक्षा परिषद (पीएसआरएससी) की 15वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए स. लालजीत सिंह भुल्लर ने विभागीय कार्यों की निगरानी के लिए अनिवार्य मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने की घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि लक्ष्यों को पूरा करने में विफल विभागों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न विभागों की कार्यवाही रिपोर्ट पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मासिक बैठक के दौरान किसी विभाग की कार्यवाही रिपोर्ट में कोई कमी पाई जाती है और विभाग निर्धारित लक्ष्यों को पूरा नहीं करता है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग को विशेष रूप से ट्रॉमा सेंटरों में स्टाफ की कमी को पूरा करने और सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों की बचाव दर बढ़ाने के लिए व्यापक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, परिवहन विभाग ने पटियाला, रूपनगर, एसएएस नगर, एसबीएस नगर और श्री फतेहगढ़ साहिब जैसे पांच उच्च जोखिम वाले (रेड जोन) ज़िलों में सीसीटीवी निगरानी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने का निर्णय लिया। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इस परियोजना का विस्तार चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य में किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुमार्ना लगाने के लिए चंडीगढ़ की तर्ज पर ऑनलाइन चालान प्रणाली पर भी विचार किया जाना चाहिए। परिवहन मंत्री ने एक अहम निर्णय लेते हुए सड़क सुरक्षा बल (एसएसएफ) की स्थापना के लिए 55

करोड़ रुपए जारी करने की मंजूरी दी। इस बल को 144 हाइवे पेट्रोल वाहनों से लैस किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक आकलन से पता चला है कि एसएसएफ की शुरूआत के बाद से अब तक सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में 45.5 प्रतिशत की कमी आई है। इस बल की सहायता के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की खरीद के लिए अतिरिक्त 7 करोड़ रुपए भी स्वीकृत किए गए।

कैबिनेट मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर के सुझाव पर, राज्यभर में सुधारे गए सभी ब्लैक स्पॉट्स का थर्ड-पार्टी ऑडिट कराने के निर्णय पर भी बैठक में चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से संबंधित मामलों को संभालने वाली स्वतंत्र एजेंसी, जैसे कि आईआईटी दिल्ली का ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च एंड इंजरी प्रिवेंशन सेंटर (जो डब्ल्यूएचओ के तहत सड़क सुरक्षा के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस है) और भारत सरकार के रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज के अंतर्गत सूचीबद्ध पीईसी, चंडीगढ़, सड़क सुरक्षा ऑडिटर को राज्यभर में पहचाने गए ब्लैक स्पॉट्स का थर्ड-पार्टी ऑडिट करने का कार्य सौंपा जाएगा ताकि इन ब्लैक स्पॉट्स के सुधार के परिणामों और प्रभावों का पता लगाया जा सके।

उन्होंने कहा कि सुधार किए गए ब्लैक स्पॉट्स का थर्ड-पार्टी ऑडिट और परिणामों की पहचान के तरीकों और प्रक्रिया के मूल्यांकन की भी आवश्यकता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने से अपेक्षित परिणाम मिले हैं या नहीं। बैठक के दौरान आईआईटी दिल्ली, आईआईटी मद्रास और सीआरआरआई पुणे जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं से सड़क सुरक्षा ऑडिट में सड़कों की देखभाल करने वाले विभागों (एसडीओ और उससे ऊपर) के अधिकारियों का प्रशिक्षण; आगामी महीने में पंजाब में ह्यसेफर रोड्स फॉर एवरीवनह्व (सेफ) योजना पर राष्ट्रीय स्तर का सेमिनार आयोजित करने; ई-डीएआर के तहत पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्रों की मैपिंग और वित्त विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा पर लीड एजेंसी पंजाब में पदों का पुनर्गठन करने जैसे प्रमुख नीतिगत निर्णय लिए गए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन) श्री डी.के. तिवारी, डायरेक्टर जनरल लीड एजेंसी श्री आर. वेंकट रत्नम, एडीजीपी (ट्रैफिक) श्री ए.एस. राय, एसटीसी श्री जसप्रीत सिंह, स्टेट हेल्थ एजेंसी की सीईओ श्रीमती बबीता, एनएचएआई के मैनेजर (तकनीकी) श्री सुधीर नैथन, लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर श्री एन.पी. शर्मा, स्थानीय सरकार विभाग के चीफ इंजीनियर श्री राजिंदर राय, अतिरिक्त एसटीसी श्री सुखविंदर कुमार और ऑटोमोबाइल इंजीनियर श्री रणप्रीत सिंह भियोरा शामिल थे।

ए.एस.आई. के लिए ₹10,000 रिश्वत लेते हुए व्यक्ति को विजिलेंस ब्यूरो ने रंगे हाथों पकड़ा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ जारी अभियान के दौरान आज एक व्यक्ति, मदन लाल शर्मा, निवासी गांव बघौरा, जिला पटियाला को पुलिस कर्मचारी के लिए ₹10,000 रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को पटियाला जिले के गांव बलहेड़ी निवासी दिलबाग सिंह द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो से संपर्क कर कहा कि उसका गांव के ही गुरुद्वारा साहिब में ग्रंथि गुरनायब सिंह के साथ मौखिक विवाद हुआ था। इस पर ग्रंथि ने उसके खिलाफ थाना घनौर में शिकायत दर्ज करवाई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उक्त थाने में तैनात ए.एस.आई. स्वर्ण सिंह मामले में उसका पक्ष लेने के लिए उस पर ₹10,000 रिश्वत देने का दबाव डाल रहा है और उसको कह रहा है कि अगर उसने रिश्वत नहीं दी, तो उसके खिलाफ केस दर्ज कर दिया जाएगा। शिकायत के अनुसार, आरोपी ए.एस.आई. ने शिकायतकर्ता को कहा कि यह राशि उसके परिचित मदन लाल को देने के लिए कहा था।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया। इस दौरान आरोपी मदन लाल को ए.एस.आई. स्वर्ण सिंह की ओर से शिकायतकर्ता से ₹10,000 रिश्वत लेते हुए दो सरकारी गवाहों की उपस्थिति में रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि आरोपी ए.एस.आई. स्वर्ण सिंह अपनी गिरफ्तारी से बचकर फरार हो गया है। इस संबंध में विजिलेंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पंजाब पवेलियन ने व्यापार मेला 2024 में जीते विषय की उत्कृष्ट प्रस्तुति और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विशेष प्रशंसा मेडल

सिटी दर्पण
चंडीगढ़ / नई दिल्ली

यहां प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 के दौरान दर्शकों से भारी सराहना प्राप्त करने वाले 'पंजाब पवेलियन' ने विषय की उत्कृष्ट प्रस्तुति और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए दो विशेष प्रशंसा मेडल प्राप्त किए।

मेले का आयोजन करने वाली भारत व्यापार प्रोत्साहन संस्था (आई.टी.पी.ओ) ने मेले के अंतिम दिन देर शाम आयोजित समारोह में ये दोनों मेडल पी.एस.आई.ई.सी के अधिकारियों को प्रदान किए। इस साल मेले की थीम ₹विकसित भारत @2047₹ रखा गया था।

गौरतलब है कि इस मेले का आयोजन 14 नवंबर से 27 नवंबर तक किया गया था, जिसमें विभिन्न राज्यों ने अपने विकास और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए पवेलियन स्थापित किए। पंजाब पवेलियन के प्रशासक दविंदरपाल सिंह और उप प्रशासक गुरप्रीत सिंह ने कहा कि पंजाब के पवेलियन को विभिन्न श्रेणियों में दो मेडल मिलना राज्य के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि मेले के दौरान केवल पंजाब से आने वाले लोगों ने ही नहीं बल्कि भारत के अन्य राज्यों के लोगों ने भी पवेलियन में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों में गहरी रुचि दिखाई।

पंजाब के उद्योग और वाणिज्य मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद के नेतृत्व और पी.एस.आई.ई.सी के चेयरमैन दलवीर सिंह के निर्देशानुसार, उद्योग, कृषि, हस्तशिल्प, फैशन और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में राज्य की प्रगतिशील पहुंच को पवेलियन के माध्यम से प्रदर्शित करने के लिए पंजाब लघु उद्योग और निर्यात निगम ने अतिरिक्त मुख्य सचिव, इंडस्ट्रीज और कॉमर्स तेजवीर सिंह, डी.पी.एस. खबंदा (सीईओ इन्वेस्ट पंजाब), वरिंदर कुमार शर्मा (एमडी), हरजीत सिंह संधू (एएमडी) और कार्यकारी निदेशक भाई सुखदीप सिंह सिद्धू के नेतृत्व में ठोस प्रयास किए।

संक्षिप्त-समाचार

पांचवीं कक्षा की राधिका की पंजाब विधानसभा की स्पीकर बनने की इच्छा पूरी हुई

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने चंडीगढ़ और मोहाली के स्कूलों और कॉलेजों की लगभग 30 छात्राओं से मुलाकात की, जो पंजाब विधानसभा का दौरा करने आई थीं। उन्होंने छात्राओं को अपने लक्ष्य तय करके जीवन में सफल होने और अच्छे नागरिक बनकर देश की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। एक स्वयंसेवी संस्था के साथ जुड़ी इन छात्राओं के समूह ने पंजाब विधानसभा का दौरा किया। स्पीकर स संधवां ने इन छात्राओं के साथ विस्तार से बातचीत की और उन्हें राजनीति, व्यवसाय, आईएएस, पीसीएस, डॉक्टर और वैज्ञानिक बनने के लिए भी प्रेरित किया। स्पीकर स संधवां ने कहा कि आज के छात्र कल के नेता हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों में राजनीति में रुचि होना एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने छात्रों को जागरूक रहने की प्रेरणा देते हुए कहा कि राज्य और देश में हो रही कानूनी, राजनीतिक और अन्य घटनाओं पर गहरी नजर रखना, राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न घटनाओं का विश्लेषण करना और अपनी दृष्टि विकसित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में होने वाली हर घटना राजनीति से जुड़ी होती है। इसलिए, यदि छात्रों की राजनीति में रुचि है, तो उन्हें आगे बढ़कर यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि देश में क्या हो रहा है। स्पीकर ने कहा कि युवाओं के राजनीति में आने से इसमें बड़ा सुधार होगा। स्पीकर के साथ बातचीत के दौरान, जब सेकरेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी चंडीगढ़ स्कूल की पांचवीं कक्षा की छात्रा राधिका ने राजनीति में आने और पंजाब विधानसभा की स्पीकर बनने की इच्छा व्यक्त की, तो स संधवां ने उसे स्पीकर की कुर्सी पर बैठाने का निर्णय लिया। उसे वीआईपी रूट से ले जाकर स्पीकर की कुर्सी पर बैठाया गया और उपस्थित सभी छात्राओं को विधायी कार्य, विपक्ष और सत्तापक्ष आदि के बारे में जानकारी दी गई।

मलोट शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 6 करोड़ रुपये की सीवरेज परियोजना का शुभारंभः डॉ. बलजीत कौर

मलोट/चंडीगढ़। सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मलोट शहर में सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 6 करोड़ रुपये की सीवरेज परियोजना शुरू की गई है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर में कई विकास परियोजनाएं चलाई जा रही हैं। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि मलोट शहर में लंबे समय से चल रही सीवरेज की समस्या को हल करने और शहरवासियों को बेहतर व संपूर्ण सीवरेज सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए संबंधित विभागों के साथ तालमेल कर आवश्यक फंड मुहैया कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मलोट के निवासी वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे थे, जो अब इस परियोजना के माध्यम से हल होगी। मंत्री ने बताया कि यह परियोजना मलोट शहर की पुरानी समस्याओं को दूर करने और निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत 6 करोड़ रुपये की लागत से मलोट की मेन कॉलोनी रोड पर बड़ी पाइपों वाला सीवरेज बिछाने का काम शुरू किया गया है। इस परियोजना से पिंक सिटी और दशमेश नगर के निवासियों को सीवरेज बैकफ्लो की समस्या से पूरी तरह निजात मिलेगी। मंत्री ने कहा कि मलोट में दाना मंडी डिस्पोजल से भगवानपुरा तक सीवरेज निकासी के लिए 3100 मीटर लंबी राइजिंग मेन पाइप भी बदली जा रही है। इससे पुड्डा कॉलोनी, स्टार सिटी कॉलोनी और शहर के 40% क्षेत्र की पानी निकासी की समस्या हल हो जाएगी। यह परियोजना न केवल मलोट के निवासियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता सुनिश्चित करेगी, बल्कि सामाजिक विकास और आर्थिक वृद्धि में भी योगदान देगी। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि नई पाइपलाइन का डिजाइन आधुनिक तकनीकों के साथ तैयार किया गया है, जो लंबे समय तक टिकाऊ और मजबूत रहेगा।

अमृतसर के 450वर्षीय स्थापना दिवस के लिए स्पीकर ने की बैठक

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर के 450वें स्थापना दिवस, जो वर्ष 2027 में मनाया जाएगा, को भव्य तरीके से मनाने के संबंध में पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने अमृतसर की धार्मिक, सामाजिक और अन्य संस्थाओं के साथ बैठक की और उनसे सुझाव मांगे कि इसे कैसे बेहतर ढंग से मनाया जा सकता है।

इस बैठक में विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने कहा कि हमारे पास केवल दो साल का समय है, और इस ऐतिहासिक अवसर को मनाने के लिए व्यापक तैयारियां करनी होंगी। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी समस्याएं इस समय सफाई, बिजली की लटकती तारें और ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करना हैं।

इस विचार चर्चा को आगे बढ़ाते हुए में स जसविंदर सिंह एडवोकेट ने सुझाव दिया कि बाहर से आने वाले यात्रियों को सही मार्गदर्शन नहीं मिलता। इस वजह से अमृतसर के मेन गेट से श्री दरबार साहिब तक संकेतक बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि श्री दरबार साहिब के आसपास के आवासीय और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को जागरूक किया जाए कि वे अपनी छतों पर पौधे लगाएं ताकि प्रदूषण को कम किया जा सके और आने वाले यात्रियों पर अच्छा प्रभाव पड़े।

अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने ध्यान दिलाया कि हाल गेट से जलियांवाला बाग तक बड़ी संख्या में भिखारी मौजूद हैं, जिन्हें वहां से हटाना बेहद जरूरी है। साथ ही, अवैध कब्जे और आवारा कुत्तों की समस्या का भी समाधान करना होगा।

विचार-विमर्श के बाद स संधवां ने कहा कि सरकार 450वर्षीय स्थापना दिवस को भव्य तरीके से मनाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हर दो महीने में बैठक की जाएगी।

स संधवां ने सभी संस्थाओं से अपील करते हुए कहा कि वे 450वर्षीय मनाने के लिए अपने-अपने सुझाव और योजनाएं तैयार कर सरकार को दें ताकि उसी के अनुसार कार्यवाही की जा सके। उन्होंने कहा कि इस आयोजन को सफलतापूर्वक मनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और इसके लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

स संधवां ने समस्त धार्मिक और सामाजिक संस्थानों को अपील करते हुए कहा कि इस पवित्र कार्य के लिए बढ़ चढ़ कर सरकार का सहयोग करें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की सफाई व्यवस्था को सुधारने और ट्रैफिक व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। बिजली की लटकती तारों और रास्ते में बाधा बनने वाले खंभों को हटाने का काम तुरंत शुरू किया जाए।

बैठक में विधायक डॉ. अजय गुप्ता, विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर, डिप्टी कमिश्नर साक्षी साहनी, पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर, नगर निगम कमिश्नर गुलप्रीत सिंह औलख, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर अमित सरीन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के चेयरमैन डॉ. आदर्श पाल विग, जिला योजना बोर्ड के चेयरमैन जसप्रीत सिंह समेत विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के प्रमुख उपस्थित थे।

स्पीकर संधवा ने विधायक गुरदेव सिंह देव मान के पिता लाल सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवा ने विधानसभा हल्का नाभा के विधायक स. गुरदेव सिंह देव मान के पिता स. लाल सिंह के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है।

आज यहां जारी एक बयान में स्पीकर स संधवा ने कहा कि स. लाल सिंह एक गंभीर स्वभाव और मेहनती व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने पूरे जीवन में मेहनत और ईमानदारी का अनुसरण किया। उन्होंने अपनी सूझ-बूझ से अपने परिवार का पालन-पोषण किया और अपने बच्चों को शिक्षित कर जीवन में सफल बनाया। स संधवा ने अकाल पुरख के आगे अरदास की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में शाश्वत शांति प्रदान करें और पीछे परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। स्पीकर संधवां ने पंजाब विधानसभा का दौरा करने आई स्कूल और कॉलेज की छात्राओं को जीवन में सफल और अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

हरजोत सिंह बैंस के प्रयासों से 86.21 करोड़ रुपये से चंगर क्षेत्र के खेतों तक पहुंचेगा पानी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस के निरंतर प्रयासों के चलते आनंदपुर साहिब विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चंगर क्षेत्र को जल्द ही नहरी पानी की आपूर्ति शुरू होने जा रही है। हरजोत सिंह बैंस 29 नवंबर को गांव समलाह में 86.21 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली लिफ्ट सिंचाई योजना की नींव रखेंगे।

यह क्षेत्र सदियों से बारिश के पानी पर निर्भर होकर ही खेती की सिंचाई करता आ रहा था, जिससे गर्मियों के मौसम में यहां के किसानों को पानी की कमी के कारण कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। कैबिनेट मंत्री के प्रयासों से पंजाब-हिमाचल प्रदेश सीमा से सटे इस निम्न पहाड़ी क्षेत्र चंगर के लगभग एक दर्जन गांवों को सिंचाई के लिए पानी की समस्या से पूरी तरह राहत मिलेगी।

इस परियोजना से गांव लखेर, समलाह, पहाड़पुर, धनेड़ा, मिड्ढवा, महिंदली खुर्द, रायपुर साहनी, कोटला, बड्डल और बलोली के 2762 एकड़ क्षेत्र को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र में हरियाली और खुशहाली लौटेगी।

यह भी उल्लेखनीय है कि इस लिफ्ट सिंचाई योजना का नक्शा सिंचाई विभाग ने आईआईटी रूपनगर के तकनीकी विशेषज्ञों से भविष्य की आवश्यकताओं और भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए तैयार करवाया गया है।

सेना द्वारा अजनाला रोड को चौड़ा करने के मिले आश्वासन से सेना, सरहदी किसानों और आम लोगों को मिलेगी बड़ी राहत: कुलदीप सिंह धालीवाल

सिटी दर्पण
चंडीगढ़/जालंधर

प्रवासी भारतीय मामले और प्रशासकीय सुधार मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने आज सेना के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की, जिस दौरान अधिकारियों ने अजनाला सड़क को 5.5 मीटर चौड़ाई बढा कर 7 मीटर करने का आश्वासन दिया है। 11 कॉर्प्स हैडक्वाटर जालंधर कैंट में हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री ने बताया कि लोगों की इससे लंबे समय से की जा रही माँग अब पूरी होगी, जिससे इलाके में ट्रैफिक की समस्या का पक्का हल होगा।

श्री धालीवाल ने बताया कि 72 किलोमीटर लंबी यह सड़क जो कि सेना के अधिकार क्षेत्र में आती है। उन्होंने बताया कि गन्ने के सीजन दौरान ट्रालियाँ निकलने से सड़क पर ट्रैफिक जाम लगता था और उन्होंने इस समस्या को रक्षा मंत्रालय के समक्ष उठाया, जिसके निष्कर्ष के तौर पर आज लैफ.जनरल अजय चांदपूरिया और उनकी टीम के साथ बैठक की गई है। उन्होंने बताया कि सेना के उच्च अधिकारियों द्वारा मौके पर इसका जायजा ले कर सड़क को चौड़े करने का भरोसा दिलाया और अगले वर्ष पूरी करने को भी कहा गया है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि उन्होंने ट्रैफिक को निर्विघ्न ढंग से जारी रखने के लिए गन्ने की बैलट वाली सड़को को 10 मीटर तक चौड़ा करने की अपील भी की। जिस पर सेना के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस प्रकार की सडकों का जायजा लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट से जहाँ इलाके के साथ संपर्क में अधिक सुधार होगा, वहीं सेना, किसानों एंव आम निवासियों के लिए बड़ी राहत भी होगी। श्री धालीवाल ने कहा कि सड़क को चौड़ा करने का भरोसा पंजाब के सहरदी इलाको के लोगों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया करवाने में मील का पत्थर साबित होगी, जोकि पंजाब सरकार की सीमावर्ती इलाके के लोगों की भलाई की वचनबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने यह भी बताया कि सेना के उच्च अधिकारियों ने अजनाला बाइपास बनाने की संभावना भी व्यक्त की है। कैबिनेट मंत्री ने रक्षा मंत्रालय के इस रचनात्मिक प्रयास के लिए आभार व्यक्त किया। बता दे कि यह सड़क अजनाला-लोपेके, सोहल वाया तलवंडी रायदादू, पूंगा, भिंडी सैदां से होती हुई गुजरती है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस प्रोजैक्ट से गन्ना और गेहूँ- धान की फसल मंडियों में ले जाने दौरान किसानों को बड़ी राहत मिलेगी और ट्रैफिक सिस्टम भी उचित ढंग के साथ चलता रहेगा।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

न्योन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट न. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एंव 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते॥

भगवद्गीता 3.21

हरियाणा सरकार
KURUKSHETRA DEVELOPMENT BOARD कुरुक्षेत्र विकास मंडल
भागीदार प्रदेश ओडिशा
भागीदार देश संयुक्त गणराज्य तंजानिया

अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024

28 नवम्बर – 15 दिसम्बर
कुरुक्षेत्र, हरियाणा

मुख्य कार्यक्रम

स्थान – पुरुषोतमपुरा बाग, कुरुक्षेत्र
समय – सायं 6:30 बजे

तिथि	कार्यक्रम	प्रस्तुति
5 दिसम्बर	कोरियोग्राफी	तंजानिया व हरियाणा के कलाकारों द्वारा
7 दिसम्बर	नाटक 'हमारे राम'	श्री आशुतोष राणा एवं दल
9 दिसम्बर	महाभारत पर आधारित रेत की कलाकृति	श्रीमती मनीषा
9 दिसम्बर	कवि सम्मेलन	डॉ. कुमार विश्वास व अन्य कवियों द्वारा
11 दिसम्बर	महाभारत पर आधारित नाटक 'द्रोपदी'	श्रीमती मीनाक्षी शेषाद्रि एवं दल

www.internationalgitamahotsav.in
www.48koskurukshetra.com

@igmkkr
InternationalGitaMahotsav

"सभी देशवासियों को गीता जयंती की अनंत शुभकामनाएं। श्रीमद्भगवद्गीता सदियों से मानवता का मार्गदर्शन करती आई है। अध्यात्म और जीवन-दर्शन से जुड़ा यह महान ग्रंथ हर युग में पथ प्रदर्शक बना रहेगा।"

- नरेन्द्र मोदी

संपादकीय

अयोध्या, बनारस, कृष्ण नगरी और संभल के बाद अब अजमेर शरीफ दरगाह सुर्खियों में, इस जगह पर पहले हिंदू देवता शिव भगवान के मंदिर होने का है दावा

जी हां अयोध्या, बनारस, कृष्ण नगरी और संभल के बाद अब अजमेर शरीफ दरगाह का मुद्दा चर्चा में है। यहां दावा किया जा रहा है कि उक्त अजमेर शरीफ दरगाह की जगह पहले हिंदू देवता शिव भगवान का मंदिर हुआ करता था जिसे बाद में अजमेर शरीफ दरगाह में तबदील कर दिया गया है। अजमेर की एक स्थानीय अदालत ने बुधवार (27 नवंबर) को प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और अजमेर दरगाह समिति को नोटिस जारी किया है। ये याचिका हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा दायर की गई थी, जिसमें दावा किया गया है कि अजमेर शरीफ दरगाह के नीचे एक शिव मंदिर था। ज्ञात हो कि यह दरगाह भारत में सबसे प्रसिद्ध सूफी स्थान और विभिन्न देशों के भक्तों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय तीर्थ स्थल है। याद रहे हाल ही में उत्तर प्रदेश के संभल में मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान भीड़ की पुलिस के साथ झड़प में चार मुस्लिम लोगों की मौत हो गई थी। ऐसे में इस घटना के कुछ दिनों बाद ही अदालत ने अजमेर दरगाह के सर्वेक्षण के लिए याचिका स्वीकार कर ली गई है। अजमेर दरगाह से जुड़े लोगों ने इस कदम की निंदा करते हुए इसे देश हित और सांप्रदायिक सौहार्द के खिलाफ बताया है। इस मामले में याचिकाकर्ता विष्णु गुप्ता का कहना है कि '11वीं शताब्दी से पहले भगवान शिव का एक मंदिर उस स्थान पर मौजूद था, जहां आज अजमेर दरगाह है। इसके पास ही एक जैन मंदिर भी था। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती मुहम्मद गोरी के सलाहकार के रूप में उसके साथ भारत आए थे। उस समय अजमेर का नाम अजय मेरू था। अजमेर पृथ्वीराज चौहान का जन्मस्थान भी है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि दरगाह का निर्माण शिव मंदिर को तोड़कर किया गया था।' गुप्ता द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि दरगाह परिसर के भीतर तहखाने के भूमिगत रास्ते के नीचे एक शिवलिंग है और हिंदू भक्तों को तहखाने के भूमिगत रास्ते के नीचे भगवान के दर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। याचिका में आग कहा गया है, 'अजमेर दरगाह स्थल पर मूल महादेव मंदिर को आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया था और शेष संरचना और निर्माण के लिए इस्तेमाल की गई सामग्री और लूट का उपयोग करके एक दरगाह बनाई गई थी, जबकि परिसर के भीतर दृश्य और अदृश्य रूप में देवता मौजूद रहे।' याचिका में उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ता को 1911 में हर बिलास सारदा द्वारा लिखित अजमेर हिस्टोरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव नामक पुस्तक से पता चला कि बुलंद दरवाजा और अंदर के आंगन के बीच की जगह के नीचे एक पुरानी हिंदू इमारत के तहखाने हैं, जिनमें से कई कमरे आज भी बरकरार हैं। याचिका में कहा गया है, 'मुसलमानों को कभी भी संबंधित संपत्ति पर मालिकाना अधिकार नहीं मिला। किसी भी मुसलमान ने अब तक जमीन भगवान को समर्पित नहीं की है, इसका सीधा-सा कारण यह है कि ये संपत्ति देवता की है। देवता अपने अधिकार केवल इस कारण से नहीं खोएंगे कि विदेशी शासन के दौरान मंदिर क्षतिग्रस्त/ध्वस्त हो गया था क्योंकि संपत्ति पर देवता का अधिकार कभी नहीं खोता है और उपासकों का देवता और अस्थान की पूजा करने का अधिकार हिंदू कानून के तहत संरक्षित है।' उनकी याचिका में जीपीआर सर्वेक्षण, उत्खनन, डेटिंग पद्धति और वर्तमान संरचना की अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके एक विस्तृत वैज्ञानिक जांच करने की मांग की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसका निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना के ऊपर किया गया है। गुप्ता के वकील रामस्वरूप बिश्नोई ने बताया, 'अपनी याचिका में हमने दरगाह के अंदर पूजा करने की अनुमति मांगी है, जहां एक शिव मंदिर मौजूद था. सिविल जज अजमेर पश्चिम मनमोहन चंदेल की अदालत ने याचिका स्वीकार कर ली और दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।' बिश्नोई ने कहा कि उन्हें अभी तक कॉपी का ऑर्डर नहीं मिला है। कोर्ट का आदेश अभी तक ऑनलाइन अपलोड नहीं किया गया है। अजमेर दरगाह प्रबंधन से जुड़े लोगों ने इस कदम की आलोचना की है और कहा है कि वे आगे की कार्रवाई पर फैसला कर रहे हैं। दरगाह के खादिमों की प्रतिनिधि संस्था अंजुमन सैयद जादगान के सचिव सैयद सरवर चिश्ती ने कहा, 'दरगाह सांप्रदायिक सद्भाव, विविधता और बहुलवाद का प्रतीक है। यह एकता और विविधता को बढ़ावा देती है। इसके साथ ही अफगानिस्तान से लेकर इंडोनेशिया तक के लोगों के लिए यह एक बहुत बड़ा इस्लामिक तीर्थ स्थल भी है। इसके करोड़ों मानने वाले हैं। ये कोई मजाक नहीं है कि हम इसे बर्दाश्त करते रहेंगे।' गौरतलब है कि इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 20 दिसंबर है। सैयद सरवर चिश्ती ने कहा, 'उन्हें हर जगह शिवलिंग और मंदिर दिखाई देते हैं। वे सदियों पुरानी मस्जिदों के साथ ऐसा कर रहे हैं. ये चीजें देश के हित में नहीं हैं। हम देख रहे हैं कि क्या करना है. यह गरीब नवाज की दरगाह थी और रहेगी।' चिश्ती ने आगे कहा, 'बाबरी मस्जिद के बाद हमने एक कड़वा घूंट पीकर सोचा कि ऐसा दोबारा नहीं होगा. लेकिन यह सिलसिला रुक नहीं रहा है. कभी काशी, कभी मथुरा।' जून 2022 में मोहन भागवत जी ने कहा था कि हर मस्जिद में शिवलिंग नहीं ढूंढना चाहिए. यह गलती भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ जी की है। जब उपासना स्थल अधिनियम 1991 कहता है कि बाबरी मस्जिद के अलावा सभी धार्मिक स्थलों के लिए यथास्थिति 1947 जैसी ही रहेगी, तो इसकी क्या जरूरत है?' गौरतलब है कि इस महीने की शुरूआत में राजस्थान में भाजपा सरकार ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, जो अजमेर से ही विधायक हैं, के निदेर्शों के बाद अजमेर में राज्य पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल खादिम का नाम बदलकर होटल 'अजयमेरु' कर दिया था।

आज का राशिफल

मेष: बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की सम्भावना है। अपने खानपान की आदतों पर ध्यान दें। साझेदारी में नया कारोबार शुरू कर सकते हैं। आपके सभी काम बेहतरीन तरीके से पूरे होंगे। जीवनसाथी के साथ रोमान्टिक समय का आनन्द उठायेंगे। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में समस्या हो सकती है।

वृषभ: जॉब में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। आप चुस्ती-फुर्ती से अपने काम करेंगे। जॉब में सहकर्मियों से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। पुराना उधार चुकाने में सफलता मिलेगी। कोई कठिन कार्य आज पूरा हो सकता है। किसी से ईर्ष्या व द्वेष न करें। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

मिथुन: अपने प्रेमीजन को प्रपोज करने के लिये दिन शुभ है। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास करें। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। मार्केटिंग से जुड़े कारोबार में धन लाभ मिलेगा। नव विवाहित लोग ट्रिप के लिये जा सकते हैं।

कर्क: दाम्पत्य सम्बन्धों में अनबन हो सकती है। व्यर्थ के खर्चे बढ़ने से मन अप्रसन्न रहेगा। सरकारी कार्यों में रुकावटें होने की सम्भावना है। सर्दी-जुकाम को हल्के में न लें। युवा अपनी पढ़ाई को लेकर गम्भीर रहेंगे। नजदीकी लोगों की सलाह की उपेक्षा करना नुकसानदेह हो सकता है।

सिंह: कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने के योग बन रहे हैं। रिश्तेदारों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। आपकी सम्वादशैली से लोग प्रभावित रहेंगे। करियर में बड़ा बदलाव करने की योजना बना सकते हैं। दाम्पत्य सम्बन्धों में भावनात्मक लगाव और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कन्या: आज अपने खर्चों में कटौती करें वरना बजट गड़बड़ा सकता है। सन्तान के व्यवहार से थोड़ा आहत हो सकते हैं। साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न होगी। जीवनसाथी के साथ एकान्त में समय बिताना पसन्द करेंगे। बाहर का भोजन करने से पाचन खराब हो सकता है। आज उधार लेने से आपको बचना चाहिये।

तुला: कारोबार में उत्तम धन लाभ होने के योग बन रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च करेंगे। मित्रों की सलाह लेना आपके लिये हितकर होगा। पुराने निवेश के माध्यम से धन लाभ होगा। युवा जातक प्रेम सम्बन्धों को लेकर परिवार में चर्चा कर सकते हैं। ऑफिस का काम पूरी मेहनत से करेंगे।

वृश्चिक: अनैतिक कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। उधार धन के लेन-देन में सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा। तात्कालिक निर्णय लेने में जल्दबाजी करना उचित नहीं है। बिना माँगे किसी को राय देने से अपमान हो सकता है। दवाइयों पर धन खर्च करना पड़ेगा।

धनु: उच्च अधिकारी आपके काम से काफी प्रसन्न रहेंगे। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शेयर मार्केट से धन लाभ होगा। प्रेम सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी। लोग आपसे परामर्श लेना पसन्द करेंगे। कारोबार को लेकर यात्रा हो सकती है।

मकर: राजनीति से जुड़े लोगों के लिये दिन शुभ रहने वाला है। अपनी दिनचर्या को सन्तुलित रखें। रिश्तों में मधुरता का आनन्द लेंगे। कारोबार में बड़ा प्रयोग कर सकते हैं। आपके कार्य धीमी गति से पूर्ण होंगे। पड़ोसियों के साथ विवाद शान्त होंगे।

कुंभ: शोधकार्यों में बड़ी सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा। मतभेदों का निवारण हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के लिये दिन शुभ है। दाम्पत्य सम्बन्धों में थोड़ी उठा-पठक हो ाकती है। धर्म-कर्म में रुचि कम होने की सम्भावना है।

मीन: आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। आज नये कार्यों की शुरूआत न करें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थकान महसूस होगी। स्वास्थ्य थोड़ा कमजोर हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में खराबी हो सकती है। कारोबार में बड़ा निवेश करने से पहले पूरी जाँच-परख कर लें।

ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनाएं ये तरीके, जानें मेडिटेशन के फायदे

मेडिटेशन करने के फायदे

- अवाद में फायदा
- संयमित हार्ट बीट
- ओवरथिंकिंग में कमी
- एंक्ज़ाइटी में सुधार

कौन कर सकता है मेडिटेशन?

विशेषज्ञों के मुताबिक, मेडिटेशन दो साल की उम्र के बच्चे से लेकर बड़े बुजुर्ग तक सभी लोग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी मेडिटेशन करना सिखाना चाहिए।

स्वस्थ मन और शरीर के लिए मेडिटेशन इन दिनों बहुत ज्यादा प्रचलित शब्द बन गया है। लेकिन मेडिटेशन करने वाले इसे लगातार अपना नहीं पाते और बीच में ही मेडिटेशन करना छोड़ देते हैं। इसकी एक वजह होती है, ध्यान केंद्रित न कर पाना। मेडिटेशन ध्यान केंद्रित करने से जुड़ी एक क्रिया है, जो अक्सर लोगों को कठिन लगती है। हालांकि मेडिटेशन करने के फायदे बहुत हैं। शरीर के साथ ही मन और मस्तिष्क को शांत रखने, स्वस्थ रखने के लिए मेडिटेशन लाभकारी होता है।एक सर्वे के मुताबिक नींद न आने से कई गंभीर समस्याएं हो जाती हैं, जो मेडिटेशन करने मात्र से ठीक हो सकती हैं। खुशी और शांति और विकास के लिए भी मेडिटेशन बेहतरीन उपचार है। हालांकि अगर आप मेडिटेशन करते समय ध्यान नहीं लगा पाते तो कुछ आसान तरीकों को अपना सकते हैं। जानिए मेडिटेशन करते समय ध्यान लगाने के तरीके और मेडिटेशन के फायदें।

मेडिटेशन करते समय फोकस कैसे करें

- अक्सर लोग मेडिटेशन सुबह के समय करते हैं। उन्हें लगता है कि ध्यान लगाने के लिए यह समय उपयुक्त है। लेकिन सुबह बहुत सारे कामकाज होते हैं। ऐसे में मन शांत करके मेडिटेशन करना मुश्किल होता है। जल्दबाजी में मेडिटेशन न करें, बल्कि खाली और सुकून के समय में मेडिटेशन कर सकते हैं। इसके अलावा मेडिटेशन का कोई निश्चित समय नहीं होता। आप कभी भी ध्यान लगा सकते हैं।
- मेडिटेशन करते समय ध्यान लगाएं तो पूरे दिन की एक एक बात को याद करें। सोने से पहले तक की सभी गलतियों और अच्छाइयों को दोबारा याद करें और इस पर चिंतन करें। इस तरह मेडिटेशन को 'प्रति प्रश्न साधना' कहते हैं।
- मेडिटेशन करते समय फोकस करने का एक तरीका है कि आप भगवान का नाम लें। ऊँ शब्द का उच्चारण बार बार करें। भगवान के नाम का जाप करने से आप मेडिटेशन में लीन हो सकते हैं। ऐसा आप रात में सोने से पहले पांच से दस मिनट तक रोजाना कर सकते हैं।
- महिलाएं जो बिंदी अपने माथे पर लगाती हैं, उसी पर ध्यान केंद्रित करते हुए फोकस करें। रोजाना पांच मिनट के लिए अपना ध्यान बिंदी पर लगाते हुए सांस को धीरे धीरे छोड़ें।
- मेडिटेशन का एक तरीका सांस पर ध्यान लगाना है। मन में कई सारे विचार आते हैं। ऐसे में ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है। लेकिन नियम से मेडिटेशन करते समय सांसों पर ध्यान लगाने से विचार परेशान नहीं करेंगे। मेडिटेशन की शुरूआत पांच मिनट से करें।

वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा में रखें ये चीजें, कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का बहुत ही महत्व है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर वस्तु को एक निश्चित दिशा में रखने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा बनी रहती है। वहीं वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को भी काफी महत्वपूर्ण माना गया है। आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार वह कौन-सी चीजें हैं जिन्हें उत्तर दिशा में रखने से व्यक्ति को आर्थिक लाभ मिल सकता है। कुल 4 दिशाएं उत्तर, पश्चिम, पूरब और दक्षिण प्रमुख है। सभी दिशाओं की कुछ-न-कुछ विशेषता भी होती है। उसी प्रकार वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा का विशेष महत्व है। आज हम आपको वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा का महत्व बताने जा रहे हैं।

उत्तर दिशा का महत्व

उत्तर दिशा को वास्तु शास्त्र में बहुत ही शुभ माना गया है। वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार मानी जाती हैं। साथ ही इस दिशा को देवताओं की दिशा भी कहा जाता है। साथ ही इस दिशा में धन के देवता को कुबेर के साथ-साथ धन की देवी लक्ष्मी का भी वास माना गया है।

तिजोरी रखने की सही जगह

वास्तु शास्त्र कहता है कि तिजोरी या लॉकर को उत्तर दिशा में रखना चाहिए, इससे आपके ऊपर कुबेर देवता और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही इस दिशा में माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र स्थापित करके विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और व्यक्ति को कभी आर्थिक तंगी नहीं गुजरना पड़ता।

उत्तर दिशा में रखें ये पौधे

मनी प्लांट, जैसा किसके नाम से ही प्रतीत होता है। ऐसा माना जाता है कि मनी प्लांट को घर में रखने और उसके फलने-फूलने से धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। साथ ही सनातन धर्म में पवित्र मानी गई तुलसी को भी उत्तर दिशा में ही रखना लाभकारी माना जाता है।

घर की रसोई

वास्तु के अनुसार घर की रसोई भी उत्तर दिशा में ही होनी चाहिए। ऐसा करने से कभी भी अन्न की कमी का सामना नहीं करना पड़ता। इसके साथ ही उत्तर की दिशा में मौजूद दीवारों पर हल्के नीले रंग का पेंट करवाना चाहिए।

गणेश जी की मूर्ति दूर कर सकती है घर और ऑफिस के वास्तु दोष, जानिए कैसे

भगवान गणेश सनातन धर्म के प्रथम पूज्य देव हैं। देशभर में गणेश चतुर्थी को भगवान गणेश के जन्मोत्व के रूप में मनाया जाता है। माना जाता है कि ब्रह्माजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की थी। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि भगवान गणेश की पूजा करने से रचना संबंधी वास्तु दोष दूर होते हैं। हिंदू धर्म में भगवान गणेश को बुद्धि के देवता और मंगलकर्ता के रूप में पूजा जाता है। माना गया है कि किसी भी मांगलिक कार्य शुरू करने से पहले गणेश जी की पूजा करने से उस काम में किसी तरह की बाधा नहीं आती। वहीं वास्तु शास्त्र की दृष्टि से भी गणेश जी की पूजा को बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। यदि वास्तु के नियमों का ध्यान रखकर घर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की जाए तो इससे कई तरह के वास्तु दोष समाप्त होते हैं।

किस रंग की हो मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार गणेश जी की सफेद रंग की मूर्ति घर में स्थापित करने से व्यक्ति को वास्तु दोषों से मुक्ति मिलती है। वहीं घर में सिंदूरी रंग के गणपति स्थापित करने से व्यक्ति को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही बच्चों के स्टडी टेबल पर पीले या हल्के हरे रंग की गणेश जी की मूर्ति लगाने से शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलती है।

मुख्य द्वार पर गणेश जी की मूर्ति

घर का मुख्य द्वार सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है, क्योंकि यहीं से सकारात्मक ऊर्जा घर के अंदर प्रवेश करती है। ऐसे में प्रवेश द्वार पर गणेश जी की पीठ मिलती हुई प्रतिमा लगाने से वास्तु दोष की समस्या दूर होती है। गणेश जी की प्रतिमा घर के मुख्य द्वार पर अंदर की तरफ लगाएं।

ऐसी हो ऑफिस की मूर्ति

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर या ऑफिस में भगवान श्री गणेश की खड़ी हुई प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोष दूर होता है। भगवान की प्रतिमा लगाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनका मुख दक्षिण दिशा में न हो, वरना इसका विपरीत प्रभाव भी पड़ सकता है।

दिशाओं का रखें ध्यान

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व है। ऐसे में ऑफिस या घर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित करते समय दिशा का ध्यान भी जरूर रखें। घर का उत्तर पूर्वी कोना पूजा-पाठ के लिए बेहतर रहता है। ऐसे में गणपति जी की मूर्ति को भी घर के उत्तर-पूर्वी कोने में स्थापित करें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि भगवान गणेश की मूर्ति को कभी भी घर के दक्षिण में नहीं रखना चाहिए।

रसोई में उल्टे न रखें ये 2 बर्तन, वरना लग सकता है वास्तु दोष

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व माना गया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हर चीज का एक निश्चित जगह पर होने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा बनी रहती है। इसी तरह रसोई घर से संबंधित भी कुछ वास्तु शास्त्र नियम बताए गए हैं। जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति कई तरह की समस्याओं से बच सकता है। वास्तु शास्त्र में घर में हर वस्तु को रखने के लिए कुछ नियम बताए गए हैं। उसी तरह रसोई घर में बर्तन रखने के भी कुछ वास्तु नियम बताए गए हैं जिनका ध्यान रखना जाना जरूरी है। अक्सर हम रसोई में कई बर्तनों को उल्टा करके रख देते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ बर्तनों को उल्टा रखने से वास्तु दोष लग सकता है। जिसके कारण व्यक्ति को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

लग सकता है वास्तु दोष

तवे का उपयोग रोटी बनाने के लिए होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, तवे को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में वास्तु दोष लग सकता है, जिस कारण कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इससे बढ़ती है नकारात्मका

सब्जी बनाने या किसी भी चीज को तलने के लिए कढ़ाई का उपयोग होता है। वास्तु शास्त्र में माना गया है कि कड़ाई को भी उल्टा करके नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

साथ ही वास्तु शास्त्र में यह भी बताया गया है कि तवे और कढ़ाई का इस्तेमाल करने के बाद इन्हें कभी भी गंदा नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि इस्तेमाल के बाद इन्हें तुरंत धोकर साफ करके रखना चाहिए।

इस दिशा में रखें

वास्तु शास्त्र के अनुसार पीतल, तांबे, स्टील और कहां से के बर्तनों को हमेशा रसोई की पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। यदि आप अपने घर में इस वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं तो कई तरह की परेशानियों से बच सकते हैं।

कनाडा के साथ भारत के संबंध आज भी हैं चुनौतीपूर्ण: विदेश राज्यमंत्री

कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में दी जानकारी

एजेंसी
नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि कनाडा के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण रहे हैं और आज भी हैं क्योंकि वहां की सरकार द्वारा ऐसे चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्वों को राजनीतिक आश्रय प्रदान किया जाता है जो भारत विरोधी एजेंडे का समर्थन करते हैं। विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक दूसरे की चिंताओं, क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर द्विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से सवाल पूछा था कि क्या यह सच है विगत में कनाडा के साथ भारत के संबध खराब हुए हैं। इसके जवाब में

एक दूसरे की चिताओं क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें

सिंह ने कहा, 'कनाडा के साथ भारत के संबंध चुनौतीपूर्ण रहे हैं और आज भी हैं। क्योंकि कनाडा सरकार द्वारा मुख्यत: ऐसे चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्वों और ऐसे व्यक्तियों को राजनीतिक आश्रय प्रदान किया जाता है, जो भारत विरोधी एजेंडे का समर्थन करते हैं और भारत की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता को खतरे में डालने वाले हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कनाडा की स्वतंत्रता का दुरुपयोग करते रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'एक दूसरे की चिताओं क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान किसी भी स्थिर

विपक्षीय संबंध के लिए आवश्यक शर्तें हैं।' सिंह ने बताया कि इस संबंध में भारत सरकार ने कनाडा सरकार से बार-बार आग्रह किया है कि चरमपंथी एवं अलगाववादी तत्व अपने कार्यों के लिए उनकी भूमि का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने ऐसे तत्वों के त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने का भी बार-बार आग्रह किया है। सिंह ने बताया, 'ऐसे तत्व हमारे नेताओं की हत्या का महिमामंडन करने, वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व और राजनयिकों को धमकियां देने, पूजा स्थलों का अनादर और वहां तोड़फोड़ करने में शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कनाडा की सरकार से यह भी कहा कि वह तथाकथित 'जनमत संग्रह' आयोजित करके भारत के विखंडन का समर्थन करने से अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों को रोके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कनाडा में रहने, काम करने और पढ़ाई करने वाले भारतीय नागरिकों का कल्याण और सुरक्षा भारत सरकार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'कनाडा में भारतीय नागरिकों के सामने आने वाले समस्याओं को तुरंत कनाडा के अधिकारियों के ध्यान में लाया जाता है ताकि उनका तुरंत समाधान किया जा सके।' एक अन्य सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि दोनों सरकारें द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति के बारे में एक दूसरे के संपर्क में है। कनाडा में भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश राज्यमंत्री ने कहा कि 'जहां अधिकारी हमारे राजनयिकों को और राजनयिक संपत्तियों को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम रहे हैं वहीं उन्होंने हाल ही में अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों के हिंसक कृत्यों से हमारे वाणिज्य तथा शिविरों को सुरक्षा कवर प्रदान करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।'

झारखंड में व्यक्ति ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' की हत्या कर शव के टुकड़े-टुकड़े किए

एजेंसी
रांची

झारखंड के खूंटी जिले में एक जंगल से सटे इलाके में कसाई का काम करने वाले 25 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 'लिव-इन पार्टनर' की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी और उसके शव के कई टुकड़े कर दिए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान नरेश भेंगरा के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला हत्या के लगभग एक पखवाड़े बाद 24 नवंबर को उस समय सामने आया जब जरियागढ़ थाना क्षेत्र के जोरदाग गांव के समीप एक आवारा कुत्ते को मानव अंग के साथ देखा गया। भेंगरा पिछले कुछ साल से जिले की ही 24 वर्षीय महिला के साथ तमिलनाडु में 'लिव-इन' में रह रहा था। कुछ समय पहले वह झारखंड लौटा और अपनी साथी को बताए बिना उसने दूसरी महिला से शादी कर ली और अपनी पत्नी को साथ लिए बिना ही दक्षिणी राज्य वापस चला गया। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमन कुमार ने बताया, 'यह क्रूर घटना आठ नवंबर को खूंटी में हुई। आरोपी ने दूसरी महिला से शादी कर ली थी और वह पीड़िता को अपने घर नहीं ले जाना चाहता था। आरोपी उसे जरियागढ़ थाने के जोरदाग गांव में अपने घर के पास एक जंगल में ले गया और उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।' मामले की जांच कर रहे निरीक्षक अशोक सिंह ने बताया कि व्यक्ति तमिलनाडु में एक कसाई की दुकान में काम करता था और 'चिकन' काटने में माहिर था। सिंह ने बताया, 'उसने महिला के शरीर के अंगों को 40 से 50 टुकड़ों में काटने की बात स्वीकार की और फिर उन्हें जंगल में जंगली जानवरों के खाने के लिए छोड़ दिया। पुलिस ने 24 नवंबर को इलाके में एक कुत्ते को कटे हुए मानव हाथ के साथ देखने के बाद महिला के शव के कई अंग बरामद किए।' सिंह ने बताया कि महिला को उसकी शादी के बारे में पता नहीं था, इसलिए उसने उस पर खूंटी लौटने का दबाव बनाया। रांची पहुंचने के बाद वे 24 नवंबर को ट्रेन से उस व्यक्ति के गांव के लिए रवाना हो गए। अधिकारी ने कहा, 'आरोपी उसे एक ऑटोरिक्शा में खूंटी स्थित अपने घर के पास ले गया और उसे इंतजार करने के लिए कहा। वह धारदार हथियार लेकर लौटा और उससे दुष्कर्म करने के बाद दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। इसके बाद उसने शव को 40 से 50 टुकड़ों में काटा और खुद अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए घर चला गया।' शव के टुकड़ों की बरामदगी के बाद जंगल में मृत महिला के सामान वाला एक बैग भी मिला, जिसमें उसका आधार कार्ड भी शामिल था। महिला की मां को मौके पर बुलाया गया और उसने अपनी बेटी के सामान की पहचान की। इस घटना से क्षेत्र के लोग स्तब्ध हैं और 2022 में हुए श्रद्धा वाकर हत्याकांड की याद ताजा कर दी।

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार मतीउल्लाह जान सुरक्षा चौकी पर विवाद के बाद 'गिरफ्तार'

एजेंसी
इस्लामाबाद

पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार एवं यूट्यूबर मतीउल्लाह जान को इस्लामाबाद में एक सुरक्षा चौकी पर विवाद के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, जान के बेटे ने आरोप लगाया कि उनके पिता और उनके कैमरामैन साकिब बशीर का बुधवार देर रात पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की पार्किंग से अज्ञात लोगों ने 'अपहरण' कर लिया जहां वे पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ कार्यकताओं और पुलिस के बीच झड़पों के दौरान घायल हुए लोगों की कवरेज के लिए गए थे। प्राथमिकी के अनुसार, जान को सेक्टर ई-9 में एक सुरक्षा चौकी पर पुलिस पर कार चढ़ाने की कोशिश करने के बाद गिरफ्तार किया गया और इस घटना में एक कांस्टेबल घायल हो गया। प्राथमिकी में कहा गया कि जब पुलिस ने वाहन के सामने अवरोधक लगाकर उसे जबरन रोका तो चालक ने उतरकर पुलिस का हथियार छीन लिया और मौजूद अधिकारियों पर हमला कर दिया। इसमें कहा गया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया और पता चला कि वह मतीउल्लाह जान नाम का व्यक्ति है। पुलिस ने दावा किया कि उनकी कार की तलाशी लेने पर उसमें से 246 ग्राम 'आइस' नाम का मादक पदार्थ बरामद हुआ। जान के बेटे अब्दुल रज्जाक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पिता के खाते से पोस्ट किए गए वीडियो में आरोप लगाया, 'अज्ञात वाहन में आए अज्ञात लोग उन्हें ले गए।' हालांकि, बाद में बशीर को छोड़ दिया और उसने जान के परिवार को घटना के बारे में जानकारी दी। रज्जाक ने अपने पिता की तत्काल रिहाई की मांग की है। रज्जाक ने आरोप लगाया कि उनके पिता को पाकिस्तान में जारी राजनीतिक घटनाक्रम से जनता को 'सूचित' करने के लिए गिरफ्तार किया गया जो तड़के तीन बजे रिपोर्टिंग कर रहे थे।

हसीना के खिलाफ आईसीसी में मुकदमा चलाना चाहता है बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत (आईसीसी) में मुकदमा चलाना चाहता है जबकि मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों पर वह घरेलू न्यायाधिकरण में मुकदमे का सामना कर रही हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस के कार्यालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुख्य सलाहकार की प्रेस इकाई के एक अधिकारी ने कहा, 'मुख्य सलाहकार यूनुस ने हसीना के मुकदमे के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक अदालत (आईसीसी) के अभियोजक करीम ए खान के साथ चर्चा की। खान ने यूनुस से उनके आधिकारिक जमुना आवास पर मुलाकात की।' विवादास्पद नौकरी आरक्षण प्रणाली को लेकर अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद हसीना पांच अगस्त को देश छोड़कर भारत चली गई थीं। तीन दिन बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यभार संभाला था।

श्रीलंका में मौसम संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच 12 की मौत

एजेंसी
कोलंबो

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में भारी बारिश के बाद खराब मौसम की वजह से श्रीलंका में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 3.30 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मृतकों में से आठ पूर्वी जिले अम्पारा के बताए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि खराब मौसम बंगाल की खाड़ी में बने गहरे दबाव के क्षेत्र का परिणाम है, जिसने मुख्य रूप से पूर्वी प्रांत को प्रभावित किया है। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजे तक 21 जिलों के 98,000 से अधिक परिवारों के 3,30,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने शुक्रवार तक और भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जबकि राष्ट्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) ने बुधवार को नौ में से चार प्रांतों के लिए भूस्खलन की चेतावनी जारी की थी। बाढ़ और भूस्खलन के कारण 80 से अधिक घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बताया कि 25,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर 260 से अधिक आश्रयों में स्थानांतरित किया गया है। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने प्रभावितों को राहत पहुंचाने के लिए सैन्यकर्मियों की तैनाती का आदेश दिया। इससे पहले बुधवार को, भारी बारिश के कारण कोलंबो जाने वाली कम से कम छह उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों पर भेजा गया था। इस दिन सुबह आठ बजे समाप्त होने वाले 24 घंटों में 75 मिलीमीटर बारिश हुई तथा द्वीप के अधिकांश हिस्सों में तेज हवाएं चलीं।

शीतकालीन गणना के दौरान ओडिशा के जंगलों में 2,103 हाथियों की गिनती हुयी

भुवनेश्वर। ओडिशा के जंगलों में 14 से 16 नवंबर तक तीन दिवसीय शीतकालीन गणना के दौरान कुल 2,103 हाथी गिने गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वन विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी गणना रिपोर्ट के अनुसार 48 वन प्रभागों में से 38 में हाथी देखे गए। इसके पहले मई महीने में हाथियों की गणना की गई थी, जिसमें 2098 हाथी गिने गए थे। शीतकालीन गणना के दौरान जंगली हाथियों की सबसे अधिक संख्या ढेंकनाल (291) में दर्ज की गई जिसके बाद क्योंझर (160), अथगढ़ (124), देवगढ़ (123) और अंगुल (117) में दर्ज की गई। राउरकेला, क्योंझर, संबलपुर, अथमल्लिक, घुमसूर उत्तर, कालाहांडी उत्तर, कालाहांडी दक्षिण, बोलांगीर और रायराखोल जैसे प्रभागों में भी हाथियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। वहीं सिमिलिपाल उत्तर वन्यजीव अभयारण्य, सतकोसिया वन्यजीव अभयारण्य, बामरा वन्यजीव अभयारण्य और रायगढ़ जैसे क्षेत्रों में हाथियों की संख्या में कमी देखी गई।

संक्षिप्त-समाचार

पूर्वी युगांडा के गांवों में भूस्खलन से 40 घर नष्ट, 13 लोगों की मौत

नैरोबी (केन्या)। पूर्वी युगांडा में भूस्खलन के कारण छह गांवों में 40 घर नष्ट हो गए और कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। राहत अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। युगांडा रेडक्रॉस सोसाइटी ने कहा कि 13 शव बरामद कर लिए गए हैं और बचाव कार्य जारी है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अधिकारियों को आशंका है कि मरने वालों की संख्या 30 तक हो सकती है। बुधवार रात भारी बारिश के चलते पर्वतीय जिले बुलाम्बुली में भूस्खलन हुआ। इस बीच, बुधवार को पाकवाच पुल के जलमग्न होने के बाद नील नदी में चलाए गए बचाव अभियान के दौरान दो नौकाएँ पलट गईं।

पीवीआर के पास विस्फोट के बाद आतिशी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में पीवीआर प्रशांत विहार के पास विस्फोट होने के कुछ घंटों बाद मुख्यमंत्री आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में विस्फोट की निंदा की। उन्होंने कहा कि पिछले दो महीनों में इसी इलाके में यह दूसरी ऐसी घटना है। उन्होंने दावा किया कि यह स्थिति कानून व्यवस्था और सुरक्षा उपायों में बड़ी विफलता का संकेत देती है। आतिशी ने इस साल की शुरूआत में इसी इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए इसी तरह के विस्फोट का जिक्र करते हुए कहा, 'यह राष्ट्रीय राजधानी में कानून और व्यवस्था की विफलता है।' उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी दिल्लीवासियों की सुरक्षा की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने गृह मंत्री के आवास के आसपास के क्षेत्रों से जबरन वसूली के लिए फोन आने की खबरों का जिक्र करते हुए कहा, 'इस स्थिति के लिए भाजपा और गृह मंत्री अमित शाह जिम्मेदार हैं। वे राजधानी में अपनी एकमात्र जिम्मेदारी निभाने में विफल रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी दिल्ली में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भाजपा नीत केंद्र सरकार की आलोचना तेज कर दी। इससे पहले अलग संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल ने शहर में 'भय और असुरक्षा की बढ़ती भावना' पर अफसोस जताया। केजरीवाल ने बेहतर सुरक्षा उपायों की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'दिल्ली में हर जगह डर का माहौल है। महिलाएं शाम सात बजे के बाद असुरक्षित महसूस करती हैं और माता-पिता अपनी बेटियों के बाहर जाने को लेकर चिंतित रहते हैं।' दिल्ली में फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर आप और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव बढ़ता जा रहा है।

सीमा से पीछे हटने के समझौते को लागू करने में बड़ी प्रगति कर रहे हैं भारत और चीन: चीनी सेना

बीजिंग। चीन के रक्षा मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में चार साल पहले शुरू हुए गतिरोध को खत्म करने के लिए चीन और भारत की सेनाएं पीछे हटने के समझौते को लागू करने की दिशा में 'बड़ी प्रगति' कर रही हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल वू कियान ने यहां मासिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा, 'हम चीन और भारत के बीच सामंजस्यपूर्ण तालमेल की भी उम्मीद करते हैं।' उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जून ने पिछले सप्ताह लाओस की राजधानी वियनतियाने में एक क्षेत्रीय सुरक्षा सम्मेलन के दौरान एक सकारात्मक और रचनात्मक बैठक की थी। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष संबंधित समझौते को लागू कर रहे हैं। उन्होंने पूर्वी लद्दाख में गतिरोध खत्म करने के लिए पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए समझौते के क्रियान्वयन की प्रगति पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। वू ने कहा, 'अब, हम बड़ी प्रगति कर रहे हैं।' प्रवक्ता ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने शीर्ष नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने और दोनों देशों के बीच स्थिर संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की। वू ने कहा कि दोनों सेनाओं को सीमा क्षेत्रों में तनाव कम करने के लिए हाल में बनी आम सहमति का सख्ती से पालन करना चाहिए, तनाव कम करने के प्रयास करने चाहिए और दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और आदान-प्रदान बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं और सैन्य संबंधों में नई प्रगति के लिए नई गति का निर्माण कर सकते हैं।'

ईडी ने 'एचपीजेड टोकन' मामले में भारत, दुबई में चीन से जुड़ी कंपनियों की संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने 'एचपीजेड टोकन' मामले में धन शोधन की जांच के तहत भारत और दुबई में नई संपत्तियां कुर्क की हैं, जिनमें चीन से जुड़ी कुछ मुखौटा कंपनियों की संपत्तियां भी शामिल हैं। इस मामले में निवेश धोखाधड़ी के जरिये कई निवेशकों को कथित तौर पर ठगा गया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों की कीमत 106.20 करोड़ रुपये है। इससे पहले भी इस मामले में संपत्तियां कुर्क की गई थीं। केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि ये संपत्तियां विभिन्न व्यक्तियों और कंपनियों की हैं, जिनमें चीन से जुड़ी छद्म कंपनियां भी शामिल हैं, जो 'एचपीजेड टोकन' ऐप और ऑनलाइन गेमिंग एवं सट्टेबाजी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को उनके निवेश को दोगुना करने के बहाने सैकड़ों करोड़ रुपये ठगने में शामिल पाई गई हैं। इस मामले में मार्च में ईडी द्वारा दाखिल आरोपपत्र में कुल 299 लोगों, कंपनियों को आरोपी बनाया गया। इनमें 76 चीन नियंत्रित कंपनियां हैं, जिनमें 10 निदेशक चीनी मूल के हैं जबकि दो कंपनियां अन्य विदेशी नागरिकों द्वारा नियंत्रित हैं। धन शोधन का यह मामला कोहिमा पुलिस की साइबर अपराध इकाई की प्राथमिकी पर आधारित है, जिसमें विभिन्न आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। इन आरोपियों पर बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी के जरिये भारी रिटर्न का वादा करके निवेशकों को ठगने का आरोप है। पुलिस ने कहा कि निवेशकों को 'धोखा' देने के लिए आरोपियों ने 'एचपीजेड टोकन' नामक मोबाइल फोन ऐप का इस्तेमाल किया। एजेंसी ने कहा कि अपराध की आय को छिपाने के उद्देश्य से 'छद्म' निदेशकों वाली विभिन्न 'फर्जी कंपनियों' द्वारा बैंक खाते और मर्चेंट आईडी खोले गए थे। यह दावा किया गया कि ये धनराशि अवैध ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी तथा बिटकॉइन माइनिंग के लिए निवेश को लेकर 'धोखाधड़ी' से प्राप्त की गई थी।

यूरेशियन समूह में पर्यवेक्षक का दर्जा चाहता है संयुक्त अरब अमीरात : अधिकारी

इंदौर (मध्यप्रदेश)। भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने पर्यवेक्षक के दर्जे के लिए यूरेशियन समूह (ईएजी) में आवेदन किया है जिस पर इस संगठन की इंदौर में जारी 41वीं पूर्ण बैठक में फैसला होना है। धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ काम करने वाले ईएजी के नौ सदस्यों में भारत शामिल है। भारत के राजस्व विभाग के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने इंदौर में ईएजी की बैठक के पूर्ण सत्र के उद्घाटन समारोह के बाद संवाददाताओं को बताया, 'यूएई ने ईएजी से पर्यवेक्षक का दर्जा मांगा है। यूएई के इस आवेदन पर ईएजी की जारी पूर्ण बैठक में निर्णय किया जाना है।' उन्होंने बताया कि यूएई के ईएजी का पर्यवेक्षक बनने के अनुरोध पर भारत पहले ही अपनी सहमति जता चुका है। अग्रवाल, ईएजी की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख (एचओडी) के तौर पर हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूएई फिलहाल एक अन्य समूह (पश्चिम एशिया एवं उत्तर अफ्रीका वित्तीय कार्यबल) का सदस्य है, पर समान हितों के कारण अब वह ईएजी में भी सक्रियता से काम करना चाहता है।'

इजराइल-हिज्बुल्ला में संघर्ष विराम लागू होने के बीच हजारों लेबनानी अपने घर लौटे

एजेंसी
टायर (लेबनान)

इजराइल और हिज्बुल्ला चरमपंथियों के बीच युद्ध से विस्थापित हुए हजारों लेबनानी बुधवार को युद्ध विराम लागू होने पर घर लौट आए। वे अपने सामानों से भरी कारों में सवार होकर अपने घर पहुंचे। ऐसा करते समय उन्होंने कुछ क्षेत्रों से बचने की लेबनानी और इजराइली सैनिकों की चेतावनियों की अनदेखी भी की। यदि ऐसा जारी रहा तो युद्ध विराम इजराइल और हिज्बुल्ला के बीच लगभग 14 महीने से चल रही लड़ाई समाप्त हो जाएगी, जो सितंबर के मध्य में पूर्ण युद्ध में बदल गई। तब हिज्बुल्ला की तरफदारी कर रहे ईरान और इजराइल के सबसे करीबी सहयोगी अमेरिका के बीच व्यापक टकराव की आशंका पैदा हो गयी थी। इस समझौते में गाजा में युद्ध पर ध्यान नहीं दिया गया है, जहां आश्रयों में तब्दील दो स्कूलों पर इजराइली हमलों में चार बच्चों सहित 11 लोग मारे गए। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने कहा कि एक हमले में हमास के एक 'स्नाइपर' को निशाना बनाया गया और दूसरे ने नागरिकों के बीच छिपे चरमपंथियों को निशाना बनाया। लेबनान में अब इस युद्ध विराम से लड़ाई के कारण विस्थापित हुए 12 करोड़ लेबनानी लोगों और सीमा क्षेत्र के आसपास अपने घरों से भागे हजारों इजराइलियों को राहत मिल सकती है। लेबनान के बिदियास गांव से विस्थापित हुए 59 वर्षीय मोहम्मद काफरानी ने कहा, 'वे 60 दिन बहुत बुरे और बदसूरत थे। हम एक ऐसे पड़ाव पर पहुंच गए हैं जहां सिर ढकने की कोई जगह नहीं है।' अमेरिका तथा फ्रांस की मध्यस्थता से किए गए इस समझौते में लड़ाई पर शुरूआती दो महीने की रोक लगाने की बात कही गई है।

संपत्ति का अधिकार मानवाधिकार है: उच्च न्यायालय

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि संपत्ति का अधिकार अब मानवाधिकार के दायरे में आता है। न्यायमूर्ति वसीम सादिक नरगल ने 20 नवंबर को एक याचिका का निपटारा करते हुए सेना को पिछले 46 वर्षों के कुल किराये का भुगतान एक महीने के भीतर करने का निर्देश दिया। सेना ने 1978 से याचिकाकर्ता के एक भूखंड पर कब्जा कर लिया था। न्यायाधीश ने कहा, 'संपत्ति के अधिकार को अब न केवल संवैधानिक या वैधानिक अधिकार माना जाता है, बल्कि यह मानवाधिकार के दायरे में भी आता है। मानवाधिकारों को आश्रय, आजीविका, स्वास्थ्य, रोजगार आदि जैसे व्यक्तिगत अधिकारों के दायरे में माना गया है। पिछले कुछ वर्षों में मानवाधिकारों का दायरा बढ़ा है।' अब्दुल मजीद लोन द्वारा 2014 में दायर याचिका के अनुसार सेना ने 1978 में कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के निकट तंगधार में उनकी 1.6 एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि उन्हें अपनी जमीन के लिए कोई मुआवजा या किराया नहीं मिला है।

बिकवाली के जोर से सेंसेक्स 1,190 अंक लुढ़का, निफ्टी 361 अंक गिरा

एजेंसी
मुंबई

वैश्विक बाजारों के मिले-जुले रुख के बीच घरेलू स्तर पर बृहस्पतिवार को कुछ दिग्गज कंपनियों के शेयरों में तगड़ी बिकवाली होने से जबर्दस्त गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 1,190 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी में 361 अंक गिर गया। विश्लेषकों ने कहा कि इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में भारी बिकवाली के चलते घरेलू बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,190.34 अंक यानी 1.48 प्रतिशत का गोता लगाते हुए 79,043.74 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,315.16 अंक गिरकर 78,918.92 पर भी आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी भी 360.75 अंक यानी 1.49 प्रतिशत गिरकर 23,914.15 पर आ गया। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, सप्ताह की मजबूत शुरूआत के बाद घरेलू बाजारों में गिरावट का रुख रहा। ब्याज दरों में कटौती को लेकर अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से अमेरिकी बाजार में बिकवाली का जोर रहा जिससे सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और विवेकाधीन खर्च से जुड़े उपभोक्ता उत्पादों से जुड़े शेयरों में गिरावट आई। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाइटन, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड प्रमुख रूप से गिरावट के साथ बंद हुईं।

हेमंत सोरेन ने झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

एजेंसी
रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन ने बृहस्पतिवार को यहां एक भव्य समारोह में राज्य के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस मौके पर 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कई नेता मौजूद थे। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने 49 वर्षीय आदिवासी नेता सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित एक समारोह में सोरेन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता अरविंद केजरीवाल मौजूद थे। शपथ लेने से पहले, कुर्ता-पायजामा पहने सोरेन ने झामुमो अध्यक्ष और अपने पिता शिबू सोरेन से मुलाकात की। झामुमो नेता रिकॉर्ड चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। हाल में हुए विधानसभा चुनावों में सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गमलियल हेम्ब्रम को 39,791 मतों से हराकर बरहेट सीट बरकरार रखी। झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 81 सदस्यीय विधानसभा में 56 सीट हासिल कर अपना बहुमत बनाए रखा, जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 24 सीट मिलीं।

आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

उच्चतम न्यायालय द्वारा छत्तीसगढ़ की महिला सरपंच को बहाल करने का आदेश

एजेंसी
नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने एक महिला सरपंच को काम पूरा होने में देरी के 'मामूली आधार' पर हटाने के संबंध में छत्तीसगढ़ के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए उदाहरण पेश करना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने इसे 'औपनिवेशिक सोच' करार दिया और उनकी बहाली के आदेश दिए, साथ ही सरकार पर अवांछित मुकदमेबाजी और उत्पीड़न के लिए एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। पीठ के 14 नवंबर को पारित कड़े शब्दों वाले आदेश में कहा गया, 'अपनी औपनिवेशिक सोच के कारण प्रशासनिक अधिकारी एक बार फिर निर्वाचित जनप्रतिनिधि और चयनित लोक सेवक के बीच मूलभूत अंतर को पहचानने में असफल रहे हैं। अपीलकर्ता जैसे निर्वाचित प्रतिनिधियों को अक्सर नौकरशाहों के अधीनस्थ समझा जाता है, जिन्हें ऐसे निदेर्शों का पालन करने के लिए बाध्य किया जाता है, जो उनकी स्वायत्तता का अतिक्रमण करते हैं और उनकी जवाबदेही को प्रभावित करते हैं।' उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 'गलत धारणा के आधर पर और स्वयंभू पर्यवेक्षी शक्ति' का प्रयोग निर्वाचित प्रतिनिधियों को सिविल पदों पर आसीन लोक सेवकों के बराबर मानने के इरादे से किया गया, जो चुनाव द्वारा प्रदत्त लोकतांत्रिक वैधता की पूरी तरह से अवहेलना है। आदेश में कहा गया, 'हमें इस बात की गहरी चिंता है कि इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति हो रही है, जहां प्रशासनिक अधिकारी और ग्राम पंचायत सदस्य महिला सरपंचों के खिलाफ प्रतिशोध लेने के लिए मिलीभगत करते हैं। ऐसे उदाहरण पूर्वाग्रह और भेदभाव के प्रणालीगत मुद्दे को उजागर करते हैं।' पीठ ने इस 'जड़ जमाए' पूर्वाग्रह को 'निराशाजनक' करार देते हुए 'गंभीर आत्मनिरीक्षण और सुधार' का आान किया। पीठ ने कहा, 'चिंताजनक रूप से, एक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि को हटाना, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, अक्सर एक मामूली मामला माना जाता है, जिसमें प्राकृतिक न्याय और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के सिद्धांतों की अवहेलना को एक पुरानी परंपरा के रूप में माना जाता है।' सोनम लकड़ा (27) ने जनवरी 2020 में राज्य के जशपुर जिले के साजबहार पंचायत के सरपंच के रूप में निर्वाचित होने के बाद अधिकारियों द्वारा उन्हें हटाए जाने को चुनौती दी थी। पीठ ने कहा कि निर्वाचित पदों पर महिलाओं को हतोत्साहित करने वाले प्रतिगामी दृष्टिकोण को अपनाने के बजाय, उन्हें ऐसा माहौल बनाना चाहिए जो शासन में उनकी भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करे। पीठ ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे चार सप्ताह के भीतर सरपंच को एक लाख रुपए का भुगतान करें और उसके 'उत्पीड़न' के लिए जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के खिलाफ जांच करें। उच्चतम न्यायालय ने राज्य सरकार को प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुसार दोषी अधिकारियों से जुर्माना राशि वसूलने की अनुमति दी। अदालत ने कहा कि मामले पर प्रथम दृष्टया गौर करने से पता चलता है कि ग्राम पंचायत के सदस्यों ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मिलकर उनकी पहल में बाधा डालने का सुनियोजित प्रयास किया। पीठ ने कहा, 'इन व्यक्तियों ने कदाचार के निराधार आरोपों के साथ उनकी विश्वसनीयता को कम करने की कोशिश की और जब ये रणनीतियां विफल हो गईं, तो विकास परियोजनाओं को नुकसान पहुंचाने का सहारा लिया। इस संगठित अभियान के कारण अंततः उन्हें विधिवत निर्वाचित सरपंच के रूप में अन्यायपूर्ण तरीके से हटा दिया गया।

नायब सैनी ने महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में 15 करोड़ की लागत से बने खेल परिसर और कन्या छात्रावास का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने की संस्थान को 31 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को हिसार के महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में बने खेल परिसर और कन्या छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महाराजा अग्रसेन को नमन करते हुए कहा कि यह कॉलेज महाराजा अग्रसेन जी के मानव सेवा के अभियान को निरंतर जारी रखेगा। ओपी जिंदल ने जो पौधा लगाया था, वो आज वट वृक्ष बन गया है, ये हमारे लिए गर्व की बात है। यह मेडिकल कॉलेज हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के हमारे लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में ये दो नई सुविधाएं विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी रहेंगी। 4 एकड़ में बने खेल परिसर में तीन मल्टी पर्पस हॉल, स्विमिंग पूल, एक जिम, योग कक्ष व रेस्टोरेंट बनाए गए हैं। इस पर 10 करोड़ रुपये की लागत आई है। 5 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से तीन एकड़ में बने छात्रावास में 54 कमरे बनाये गये हैं, जिससे छात्राओं को बेहतर आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्थान को अपने ऐच्छिक कोष से 31 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अग्रोहा के पुरातात्विक स्थल की खुदाई की मंजूरी दी है। इससे अग्रोहा की प्राचीन विरासत के जल्द की उजागर होने की उम्मीद जगी है। इस महान विरासत को राखीगढ़ी की तर्ज पर संरक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने हरियाणा की धरती से 'एक रुपया-एक ईंट' का सिद्धांत देकर समाजवाद और गणतंत्र को साकार किया। आज जब हम अपने गणतंत्र का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो अग्रोहा गणतंत्र पर हमें विशेष गर्व है। महाराजा अग्रसेन का यह गणतंत्र वर्तमान समय में दुनिया के सबसे बडे गणतंत्र भारत की नींव है। हरियाणा सरकार ने महाराजा अग्रसेन की शिक्षाओं और सिद्धांतों को याद रखते हुए हिसार हवाई अड्डे का नाम महाराजा अग्रसेन जी के नाम पर रखा है। एयरपोर्ट का काम अंतिम चरण में चल रहा है, इसका जल्द उद्घाटन किया जाएगा। इससे हरियाणा, पंजाब और राजस्थान को लाभ होगा। एयरपोर्ट के बनने से यह क्षेत्र इंड्रस्टी जॉन कॉरिडोर के रूप में विकसित होगा, जिससे लोगों को लाभ मिलेगा।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को मेडिकल हब बनाने का विजन रखा है।

9 को प्रधानमंत्री करेंगे महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस का शिलान्यास: श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि आगामी 9 दिसंबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करनाल के महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय के मुख्य कैंपस का शिलान्यास करेंगे। कृषि मंत्री गुरुवार को करनाल के महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। उनके साथ-साथ इंद्री के विधायक व चीफ व्हीप रामकुमार कश्यप ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि विश्व में सबसे ऊपजाई जमीन भारत की है। आज भारत और हरियाणा के किसान अच्छी पैदावार ले रहे हैं। कृषि क्षेत्र मजबूत और बड़ा है। तभी कृषि को उत्तम माना गया है। कोरोना काल में प्रत्येक काम बंद हो गया था लेकिन मात्र कृषि क्षेत्र ही ऐसा क्षेत्र था, जो चल रहा था। हम जब तक कृषि को पहले स्थान पर नहीं रखेंगे, तब तक बेरोजगारी दूर नहीं हो सकती। हमारी खेती पहले स्थान पर रहे, इसके लिए हमने प्रयास करना चाहिए। हरियाणा में खेती के क्षेत्र में बहुत अवसर हैं।

श्याम सिंह राणा ने कहा कि हमें मोटे अनाज को बढ़ावा देना चाहिए। यह अनाज हमारे लिए गेहूं से ज्यादा फायदेमंद है। गेहूं और धान की परंपरागत खेती करने से किसानों को मुनाफा नहीं हो रहा है ,साथ ही प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन हो रहा हैं। इसी के चलते देश प्रदेश में पानी की गंभीर समस्या दिखाई देने लगी हैं। इसके अलावा गेहूं और धान की खेती से मानव गंभीर बीमारियों की चपेट में आने लगा हैं। इसके देखते हुए प्रधानमंत्री जी मोटे अनाजों की खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित कर रहे है ताकि लोग मोटे अनाजों से बने खाद्यान्नों का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि बागवानी विश्वविद्यालय का नाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप कैसे पड़ा, इस बारे में कृषिमंत्री ने कहा कि यूनिवर्सिटी का नाम की प्रपोजल स्वयं उन्होंने दी थी। जिस पर बागवानी विश्वविद्यालय का नाम वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप रखा गया। क्योंकि महाराणा प्रताप प्रथम स्वतंत्रता सेनानी थे, उनका नाम देश में ही नहीं बल्कि विश्वभर में बड़े आदर के साथ लिया जाता है।

खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा देना सरकार की है प्राथमिकता: खेल मंत्री गौरव गौतम

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

- हरियाणा के खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कामनवेल्थ खेलों में पदक जीतकर बजा रहे हैं अपनी प्रतिभा का डंका
- कुरुक्षेत्र में 12को होगा हरियाणा केसरी व हरियाणा कुमार दंगल का आयोजन

हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कामनवेल्थ खेलों में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का डंका बजा रहे हैं। आगामी ओलंपिक में भी हरियाणा के खिलाड़ी देश के लिए ज्यादा से ज्यादा पदक जीतें, इसके लिए प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को खेल के मैदानों से लेकर उनकी खुराक का पूरा ख्याल रखी रही है।

हरियाणा की खेल नीति देश में सबसे अच्छी है। इसी का नतीजा है कि हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदकों की झड़ी लगा रहे है। सरकार का उद्देश्य है कि खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए बेहतर माहौल दिया जाए। इसके लिए खेल विभाग द्वारा रूपरेखा तैयार की जा रही है।

खेल मंत्री गौरव गौतम आज सिविल सचिवालय में अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी जिला व ब्लाक स्तर के खेल स्टेडियमों में खेल का सामान ,उपकरण व अन्य सामान समय पर पहुंचाया जाएं, ताकि खिलाड़ी और अच्छे से अभ्यास करके देश के लिए पदक जीत सकें।

शत्रुजीत कपूर ने रेवाड़ी जिला में पिछले दिनों हुई लूटपाट की घटना का लिया कड़ा संज्ञान, लापरवाही बरतने वाले चार एसएचओ को निलंबित करने के दिए आदेश

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने जिला रेवाड़ी में पिछले दिनों हुई लूटपाट की घटना का कड़ा संज्ञान लेते हुए लापरवाही बरतने वाले 4 एसएचओ को निलंबित करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी।

वे पुलिस मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस बैठक में प्रदेश भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित जिला पुलिस अधीक्षकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। बैठक में कानून व्यवस्था सुचारू रखने सहित कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई बार दिशा निर्देश व चेतावनी दी गई है, साथ ही अब लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस फील्ड में अपनी मौजूदगी को प्रभावी बनाएं और संदिग्ध लोगों से पूछताछ करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे प्रत्येक स्तर पर कार्यरत अधिकारी अथवा कर्मचारी की काम को लेकर टास्किंग करें। उन्होंने कहा कि काम को लेकर कर्मचारियों की रिपोर्टिंग व्यवस्था जितनी मजबूत व अच्छी होगी, फील्ड में पुलिस की कार्य प्रणाली उतनी ही बेहतर होगी। उन्हें रोजाना सुबह काम दें और शाम को काम का हिसाब ले। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अधिकारी काम को सुपरवाइज करते रहे।

कपूर ने कहा कि काम के दौरान यदि कोई भी अधिकारी व कर्मचारी लापरवाही बरतता पाया गया तो उस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई जरूर होगी। अपराधी वारदात को अंजाम देने से पहले जिस रास्ते का इस्तेमाल आने के लिए तथा घटना के बाद जाने के लिए करेगा, उस रूट में पड़ने वाले थाना प्रभारी तथा ड्यूटी पर तैनात स्टाफ की जिम्मेदारी तय की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुलिस फील्ड में संदिग्ध लोगों पर कड़ी नजर रखें और उनसे पूछताछ करें।

इसके साथ ही कपूर ने हरियाणा पुलिस की क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि जिला अधीक्षक नियमित तौर पर जिलों में नए आपराधिक कानूनों तथा शस्त्र संचालन के कोर्सेज करवाते रहे। जिलों में स्वाट टीमो के रिफ्रेशर कोर्सेज करवाए और उन्हें रिव्यु करते रहे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक अपने जिलों में ज्वेलरों, बैंकों, पेट्रोल पंप तथा व्यापार संगठन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते रहें। इस दौरान उनसे आवश्यक सावधानियां बरतने तथा पुलिस के साथ तालमेल स्थापित करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करें। इसके साथ-साथ जिलों में इंस्टॉल किए गए सीसीटीवी कैमरे सही व उच्च गुणवत्ता के होने चाहिए।

संक्षिप्त-समाचार

मनोदर्पण कार्यक्रम का हुआ समापन

लाडवा। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरोट के कार्यवाहक प्रिंसिपल लखविंदर सिंह ने बताया कि डायरेक्टर जनरल एलिमेंट्री एजुकेशन हरियाणा के तत्वावधान में चल रहे मनोदर्पण कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यवाहक प्रिंसिपल लखविंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए अपने दैनिक कार्यों को नियमित रूप से पूर्ण करने चाहिए। जिससे अपने मन पर कोई बोझ नहीं रहेगा और आपका मन तनाव मुक्त रहेगा। उन्होंने कहा कि जीवन को तनाव मुक्त करने के लिए हमें प्रतिदिन योगासन व व्यायाम करने चाहिए और सात्विक भोजन ही करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी जीवन शैली, रहन-सहन आदि में भी सुधार करना चाहिए। इस अवसर पर श्री रोहतास, प्रीतपाल, रवि, सीमा, कांता, निधि, मीना, अंजू आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने अनावश्यक विलम्ब के चलते एचएसआईआईडीसी के चार आवंटियों को 5,000-5,000 रुपये मुआवजा देने के दिये आदेश

चंडीगढ़। हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) को आदेश जारी करते हुए कहा कि प्लॉट आवंटन या राशि वापिस करने में हुई अनावश्यक देरी तथा परेशानी के चलते पीड़ित चार आवंटियों को 5,000-5,000 रुपये का मुआवजा प्रदान किया जाये। इस सम्बन्ध में आदेश जारी करते हुए हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग के मुख्य आयुक्त टी.सी. गुप्ता ने बताया कि इन आवंटियों ने नीलामी में 10 प्रतिशत बयाना राशि जमा करके औद्योगिक विकास केंद्र (आईजीसी) साहा में प्लॉट आवंटन के लिए आवेदन किया था। हालांकि, एक त्रुटि के कारण, उन्हें एचएसआईआईडीसी के आंतरिक पोर्टल पर आईजीसी साहा (अंबाला) में सेक्टर-7 के बजाय गलती से सेक्टर-1 के तहत सूचीबद्ध किया गया। इस त्रुटि के परिणामस्वरूप इन चार आवंटियों के लिए नियमित आवंटन पत्र रोक दिए गए, जो निर्धारित समय सीमा के भीतर जारी नहीं किए गए। एचएसआईआईडीसी द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर अधिसूचित सेवा प्रदान करने में विफल रहने के बाद, चारों पीड़ित आवंटियों ने हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग में आवेदन किया। संबंधित अधिकारियों से सुनवाई के बाद, हरियाणा सेवा का अधिकार आयोग ने आदेश दिया है कि चारों आवंटियों को 5,000-5,000 रुपये का मुआवजा दिया जाए। इसके अलावा, आयोग ने यह भी आदेश दिये कि एचएसआईआईडीसी जिम्मेदार दोषी अधिकारियों से मुआवजे की राशि वसूल सकता है, जिनकी पहचान एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक द्वारा की जाएगी। एचएसआईआईडीसी को 10 दिसंबर, 2024 तक मुआवजे के भुगतान सहित इन आदेशों के अनुपालन की रिपोर्ट आयोग को देनी होगी।

श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं की जाएं सुनिश्चित: विज

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज ने आज श्रम विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर निर्देश दिए कि राज्य की सभी फैक्ट्रियों का नियमित रूप से निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने श्रम कानूनों का उल्लंघन किसी भी रूप में स्वीकार्य न होने की बात कही और निर्देश दिए कि जो फैक्ट्रियां श्रम कानूनों का पालन नहीं कर रही हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। विज ने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि श्रमिकों के अधिकारों का सम्मान हो और सभी श्रम अधिनियमों और उपनियमों का प्रभावी अनुपालन हो। इसके अलावा,सभी निरीक्षणों और गतिविधियों का विस्तृत रिकॉर्ड रखा जाए।

श्रम मंत्री ने श्रमिकों के स्वास्थ्य बीमा और स्वास्थ्य संबंधित सुविधाओं पर भी चर्चा की। मंत्री ने अधिकारियों को कहा कि सभी पंजीकृत श्रमिकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हों और जो श्रमिक अभी तक पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें भी स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे में लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

विज ने कहा कि श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वित्त विभाग के साथ समन्वय कर लंबित भुगतान जल्द निपटाए जाएंगे, ताकि श्रमिकों को इलाज में किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि औद्योगिक संस्थानो से यह सुनिश्चित कराया जाए कि श्रम कानूनों और श्रमिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित की जाए, ताकि श्रमिक अपने अधिकारों और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक हो सकें।

इस बैठक में श्रम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, श्रमायुक्त मनी राम शर्मा और अन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया।

पूरे विश्व को गीता उपदेशों के माध्यम से मिल रहा है शांति पथ पर चलने का संदेश : कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

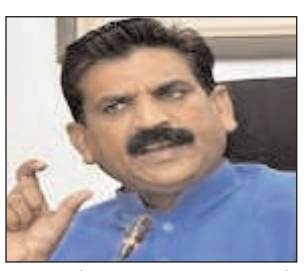

हरियाणा के सामाजिक, न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि गीता उपदेश स्थली कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर भगवान कृष्ण ने अवतार के रूप में आकर पूरे विश्व को पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिए। पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेशों को जीवन में धारण कर हर समस्या का समाधान संभव हो सकता है। इन्हीं तमाम पहलुओं को जहन में रखकर पूरी मानवता को गीता उपदेशों के प्रति जागरूक करने के लिए ही कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव जैसे कार्यक्रमों का आयोजन सरकार की तरफ से बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

कृष्ण कुमार बेदी आज कुरुक्षेत्र ब्रहमसरोवर के पुरुषोतमपुरा बाग में कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड व जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 पर आयोजित गीता रन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी पुरुष वर्ग की 10 किलोमीटर और महिला वर्ग की 5 किलोमीटर दौड़ को हरी झंडी देकर रवाना किया।

बेदी ने पुरुष और महिला वर्ग में पहले 10 स्थानों पर आने वाले खिलाड़ियों में से दोनों वर्गों में प्रथम स्थान पर आने वाले खिलाड़ी को 31 हजार रुपए, द्वितीय को 21 हजार रुपए, तृतीय को 11 हजार रुपए और अगले 7 स्थानों पर रहने वाले खिलाड़ियों को 2100-2100 रुपए की नकद राशि देकर सम्मानित किया।

उन्होंने प्रदेश वासियों को अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव-2024 की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार के रूप में कुरुक्षेत्र की धरा पर पहुंचकर महाभारत युद्ध से पहले अर्जुन के माध्यम से पवित्र ग्रंथ गीता के उपदेश दिए। यह उपदेश पूरी मानवता जाति के लिए आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रयासों से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव को और अधिक बढ़ाया है। इस महोत्सव का आयोजन 5 देशों में भी किया जा चुका है और आने वाले समय में इस महोत्सव को और भी बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

हरियाणा के मुख्य सचिव ने की नशा विरोधी अभियानों की प्रगति की समीक्षा

नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रदेश में शुरू होगा पाक्षिक अभियान

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने आज यहां 9वीं नार्को समन्वय (एन.सी.ओ.आर.डी.) की राज्य स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। कानून प्रवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज कल्याण विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक में प्रदेश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी के खतरे से निपटने के लिए चलाए जा रहे अभियानों की समीक्षा करने के साथ-साथ भावी रणनीतियों की रूपरेखा भी तैयार की गई। बैठक में प्रवर्तन, पुनर्वास और जागरूकता प्रयासों के संयोजन से नशीली दवाओं से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए हरियाणा के समग्र दृष्टिकोण पर बल दिया गया।

मुख्य सचिव ने प्रदेश को नशा मुक्त बनाने की दिशा में हुई प्रगति की सराहना करते हुए नशीली दवाओं की तस्करी की चुनौतियों से निपटने के लिए सतर्कता, अंतर-विभागीय समन्वय और प्रौद्योगिकी के उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. जोशी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के रनशा मुक्त हरियाणार के दृष्टिकोण के अनुरूप एक पखवाड़े तक चलने वाले अभियान की शुरूआत करने का आह्वान किया। उन्होंने न केवल स्कूल और कॉलेजों के छात्रों के लिए बल्कि शिक्षण संस्थानों के बाहर भी युवाओं को मादक द्रव्यों के सेवन के खतरों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रदर्शनियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि इन पहलों को फेसबुक, यूट्यूब और एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तत्परता से प्रचारित किया जाना चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोगों तक इनकी पहुंच और जुड़ाव हो सके। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में मुख्य सचिव ने स्थानीय एसडीएम द्वारा नशा मुक्ति केंद्रों के नियमित निरीक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने और इन केंद्रों के संचालन में जवाबदेही में सुधार करने के लिए, अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डॉ. जोशी ने नशा मुक्ति कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले व्यक्तियों के पुनर्वास के महत्व पर भी बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए एक समर्पित सेल बनाया जाए ताकि ये लोग फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर सकारात्मक जीवन जी सकें। हरियाणा राज्य मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के महानिदेशक ओ.पी. सिंह ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ हरियाणा की लड़ाई में हासिल हुई महत्वपूर्ण प्रगति का जिक्र करते हुए बताया कि प्रदेश में जनवरी से नवंबर, 2024 तक 3,005 मामले दर्ज किए गए और 4,523 व्यक्तियों की गिरफ्तारी की गई। इनमें से 819 लोग वाणिज्यिक मात्रा में मादक पदार्थ रखने के आरोपी थे।

इस सघन कार्रवाई के फलस्वरूप एनडीपीएस मामलों में दोषसिद्धि दर में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ और इस वर्ष 428 व्यक्तियों को दोषी ठहराया गया। यह कानूनी जवाबदेही सुनिश्चित करने दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा, 27 किलोग्राम हेरोइन, 265 किलोग्राम चरस, 8,520 किलोग्राम गांजा और 10 लाख से अधिक फार्मास्यूटिकल ड्रग्स भी जब्त की गई। इसके अलावा, मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़ी 52.72 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई, जिससे मादक पदार्थों के नेटवर्क को जबरदस्त वित्तीय झटका लगा है।

हरियाणा उदय पहल के तहत 2,495 से अधिक नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 16.43 लाख से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। नशीली दवाओं की लत के खतरों के प्रति जागरूकता फैलाने और इसमें सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रकाश और ध्वनि शो ह्वराम गुरुकुल गमनह्व जैसे अनूठे और प्रभावशाली अभियान चलाए गए। जिला पुलिस द्वारा नशा मुक्त वार्डों, पंचायतों और गांवों को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए सक्रिय कदमों से से नशा विरोधी प्रयासों में जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

इसके अलावा, राज्य की प्रहरी पहल के माध्यम से नशा करने वाले 7,523 व्यक्तियों की पहचान की गई और 572 को हरियाणा राज्य नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो द्वारा पेशेवर नशा मुक्ति सहायता के लिए निर्देशित किया गया। मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए राज्य भर में नशा मुक्ति केंद्रों का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। प्रदेश में 104 केंद्रों में से 99 केंद्र मानकों के अनुरूप काम करते पाए गए, जबकि मानकों के अनुरूप न पाए जाने पर एक केंद्र पर मामला दर्ज किया गया। सेवा विभाग के सहयोग से नशा मुक्ति केंद्रों के लिए एक रेटिंग प्रणाली विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य सेवा की गुणवत्ता का मूल्यांकन और सुधार करना है। यह प्रणाली बुनियादी ढांचे, जनशक्ति और समग्र सेवा गुणवत्ता जैसे मापदंडों पर केंद्रों का मूल्यांकन करेगी। बैठक में बताया गया कि सभी सरकारी नशा मुक्ति केंद्रों में बच्चों के लिए 5 बिस्तर आरक्षित किए जा रहे हैं और अब निजी केंद्रों में भी ऐसा ही किया जा रहा है।

बैठक में गृह, जेल, आपराधिक जांच और न्याय प्रशासन के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव जी. अनुपमा, प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, डी. सुरेश, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त अशोक कुमार मीणा तथा शिक्षा, स्वास्थ्य और पुलिस विभागों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

डी गुकेश ने तीसरी बाजी जीत कर लिरेन पर मानसिक बढ़त बनायी

गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की

एजेंसी
सिंगापुर

- तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ-डेढ अंक

भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में एक दिन के विश्राम के बाद शुक्रवार को चौथी बाजी के लिए जब चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ चुनौती पेश करेंगे तो 14 बाजियों वाले इस मुकाबले की तीसरी बाजी में मिली जीत से उनका मनोबल बड़ा हुआ होगा। अठारह साल के गुकेश ने तीसरे दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए इस चैम्पियनशिप की अपनी पहली जीत दर्ज की। क्लासिक टाइम कंट्रोल के तहत खेली जा रही चैम्पियनशिप में अभी 11 मुकाबले बचे हुए हैं। इससे पहले गुकेश को शुरूआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था जबकि दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। तीन बाजियों के बाद दोनों दोनों खिलाड़ियों के अब एक समान डेढ-डेढ अंक हैं। पहली बाजी में शिकस्त का सामना करने वाले गुकेश ने स्पष्ट रूप से अपने खेल के स्तर को ऊंचा किया और बेहतर तैयारी दिखाई है। लिरेन को तीसरी बाजी में चालों की गणना करने में गलती का खामियाजा उठाना पड़ा। उन्होंने इस दौरान बहुत अधिक समय लिये जिससे उनके लिए चीजें जटिल होती चली गयी। तेरहवीं चाल तक गुकेश के पास एक घंटे की बढ़त थी और उन्होंने सिर्फ चार मिनट खर्च किये थे। लिरेन ने दूसरी तरफ एक घंटा और छह मिनट लगा दिये थे। खेल के पहले 120 मिनट में से 40 चालों तक समय में कोई इजाफा नहीं किया जाता। बीच में मुकाबला जटिल होने से लिरेन पर असर पड़ा और गुकेश ने सटीक चालों से उन पर दबाव बढा दिया। गुकेश ने वही रणनीति अपनाई जो पूर्व विश्व चैम्पियन रूस के व्लादिमीर क्रामनिक ने एक रैपिड मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ अपनाई थी। एरिगेसी ने हार से बाल बाल बचते हुए वह मुकाबला ड्रॉ कराया था जबकि गुकेश ने लिरेन की सहज गलतियों का फायदा उठाकर जीत दर्ज की। लिरेन के पास आखिरी नौ चाल के लिये सिर्फ दो मिनट और आखिरी छह चाल के लिये सिर्फ दस सेकंड बचे थे। आखिर में उनके पास समय ही बाकी नहीं रह गया। सफेद मोहरों से खेलते हुए जीत दर्ज करने के बाद गुकेश ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले दो दिन मैं अपने खेल से खुश था। आज मैने और अच्छा खेला। बोर्ड पर अच्छा लग रहा था और मैं अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने में कामयाब रहा।' इससे पहले शुरूआती मुकाबले में गुकेश को बाजी के बीच में गैर जरूरी ढंग से जटिल बनाना भारी पड़ा जिससे चीन के मौजूदा चैम्पियन को जीत से आगाज करने का मौका दिया। गुकेश ने दूसरी बाजी में अच्छी वापसी करते हुए लिरेन को बराबरी पर रोका। यह मुकाबला केवल 23 चालों तक चला।

अठारह वर्षीय गुकेश विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के दावेदार हैं और वह विश्वनाथन आनंद के बाद यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने की कोशिश कर रहे हैं। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह खिताब अपने नाम किया है। इस बात की संभावना अधिक है कि स्कोर बराबर होने के लिरेन आक्रामक की जगह अधिक सतर्क रवैया अपनाएं और तीसरी बाजी में की गयी गलतियों से सबक लेंगे। आत्मविश्वास से लबरेज गुकेश का ध्यान अपनी मानसिक बढ़त को बनाये रखने के साथ चीन के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं देने पर होगी। चेन्नई का यह खिलाड़ी सफेद मोहरों से बेहतर खेल दिखाता है और वह अगर इसे जारी रखने में सफल हुए तो लिरेन दबाव में आ जायेंगे। लिरेन ने पिछला विश्व चैंपियनशिप खिताब रूस के इयान नेपोमनियाचची के खिलाफ तीन बार पिछड़ने के बाद जीता था।

पढाई से बचने के लिए हॉकी को चुना था लेकिन इसने करियर बना दिया: अभिषेक

एजेंसी
नई दिल्ली

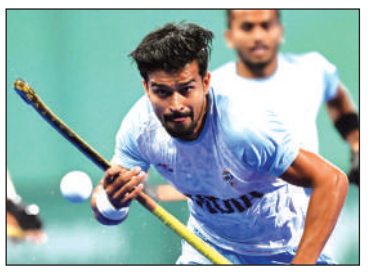

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फारवर्ड अभिषेक ने पढ़ाई से बचने के लिए हॉकी खेलना शुरू किया था लेकिन उन्हें इस फैसले पर कभी पछतावा नहीं हुआ क्योंकि इस खेल ने उन्हें पहचान, 'स्टारडम' और वह सब कुछ दिया जो वह जिंदगी में पाना चाहते थे। अभिषेक ने हालांकि पत्राचार के माध्यम से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने में कामयाबी हासिल की, लेकिन इस खिलाड़ी को पता था कि हमेशा से पता था कि खेल से उन्हें बेहतर उद्देश्य मिलेगा। पेरिस ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक जीतने के अभियान में अहम योगदान निभाने वाले अभिषेक ने कहा, 'मैंने 11 या 12 साल की उम्र में हॉकी खेलना शुरू किया था। सोनीपत में इसके अलावा मेरे पास कोई और विकल्प नहीं था।' उन्होंने कहा, 'मेरा एक दोस्त हॉकी खेलने के लिए काफी यात्रा करता था। मुझमें कभी पढ़ाई करने का धैर्य नहीं था और जब मैंने देखा कि मेरे दोस्त को हॉकी में व्यस्त होने के कारण स्कूल कम आना होता है, तो मैंने सोचा कि अगर मैं भी हॉकी खेलना शुरू कर दूं तो मैं भी ऐसा ही कर सकता हूं।' हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह (78 लाख रुपये) के बाद दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। उन्हें श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा था। यह उनका पहला एचआईएल अनुभव होगा और उम्मीद है कि वह इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'यह अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग अनुभव होगा। एचआईएल भारतीय हॉकी के लिए भी एक बड़ी बात होने जा रही है क्योंकि हमें लीग में बहुत सारे खिलाड़ियों से मिलने का मौका मिलेगा। आईपीएल ने रास्ता दिखाया है क्योंकि वह भारतीय क्रिकेट के लिए नये खिलाड़ियों को तैयार कर रहा है। एचआईएल भी राष्ट्रीय टीम की मदद करेगा।' उन्होंने कहा, 'इससे बहुत फर्क पड़ेगा। हमारी एचआईएल टीम में बेल्जियम और जर्मनी के कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं। एचआईएल के दौरान उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना और खेल से जुड़ी जानकारी प्राप्त करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। हम उनसे छोटी-छोटी बातें सीखेंगे।'

हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के इस सदस्य ने कहा कि वह पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो और उनके काम करने के तरीके के बड़े प्रशंसक है। उन्होंने कहा, 'मैं रोनाल्डो का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उनके मैदान के बाहर की दिनचर्या, उनका अनुशासन, खान-पान की आदतें... मैं उनके वीडियो देखता हूं और उन्हें (आदतों को) अपनी दिनचर्या में शामिल करने की कोशिश करता हूं।' अभिषेक ने कहा कि उनका लक्ष्य हॉकी स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, 'मेरा लक्ष्य भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग को पुनर्जीवित करना है। हमने ओलंपिक में पदक जीतने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, लेकिन स्वर्ण युग अभी हासिल नहीं हुआ है। यही मेरा लक्ष्य है।' अभिषेक फिर से शुरू हो रही

पीसीबी ने बोर्ड बैठक से पहले आईसीसी से कहा, चैंपियंस ट्रॉफी का 'हाइब्रिड मॉडल' स्वीकार्य नहीं

एजेंसी
कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 'हाइब्रिड मॉडल' स्वीकार नहीं करेगा। पीसीबी ने साथ ही विश्व संचालन संस्था से शुक्रवार को होने वाली बोर्ड बैठक में विकल्प पर चर्चा नहीं करने के लिए कहा है। भारत के पाकिस्तान में टूर्नामेंट में खेलने के लिए अपनी टीम भेजने से इनकार कर दिया है जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम संबंधित उलझन सुलझान के लिए आईसीसी ने कार्यकारी सदस्यों की वर्चुअल बैठक बुलाई है। एक सूत्र ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि पीसीबी ने कुछ घंटे पहले आईसीसी को बताया है कि टूर्नामेंट का 'हाइब्रिड मॉडल' स्वीकार्य नहीं है।' पीसीबी 'हाइब्रिड मॉडल' का विरोध कर रहा है और उसने आईसीसी को सलाह दी है कि चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित करने के लिए कोई अन्य विकल्प ढूंढा जाये। पाकिस्तान बोर्ड का मानना है कि 'हाइब्रिड मॉडल' में खेलने का मतलब भारत को तरजीह देना होगा। सूत्र ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि शुरूमें भारतीय टीम अगर पाकिस्तान में नहीं खेल सकती थी तो पीसीबी ने इस हालत में 'हाइब्रिड मॉडल' में खेलने की संभावना पर विचार किया था। लेकिन भविष्य में 2031 तक (भारत और बांग्लादेश में वनडे विश्व कप) भारत में होने वाले सभी आईसीसी टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' में ही खेले जायेंगे क्योंकि पाकिस्तान भारत में नहीं खेलेगा।' एक अन्य सूत्र ने पुष्टि की कि पीसीबी ने आईसीसी को यह भी सूचित करने के लिए याद दिलाया है कि क्या बीसीसीआई ने अपनी सरकार से लिखित में पत्र प्रस्तुत किया था जिसमें कहा गया था कि भारतीय टीम को पाकिस्तान में खेलने की मंजूरी नहीं दी गई थी।

एशिया-प्रशांत बधिर खेलों के लिए 68 सदस्यीय टीम भेजेगा भारत

नई दिल्ली। भारत की 68 सदस्यीय टीम एक से आठ दिसंबर तक कुआलालंपुर में होने वाले एशिया-प्रशांत बधिर खेलों में हिस्सा लेगी। यह टूर्नामेंट बोलने और सुनने में समस्या से ग्रसित व्यक्तियों के लिए एशियाई खेलों के समतुल्य है और यह बधिर ओलंपिक की तैयारी के लिए भी महत्वपूर्ण है जिसका आयोजन अगले साल जापान में किया जाएगा। भारतीय खिलाड़ी सात खेलों में हिस्सा लेंगे जिसमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, शतरंज, जूडो, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और कुश्ती शामिल है। शुक्रवार को भारतीय दल के रवाना होने से पहले भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में विदाई समारोह आयोजित किया। भारत के दल में 24 कोच, सहयोगी स्टाफ और अधिकारी सहित 92 सदस्य हैं और साइ ने यात्रा, आवास, प्रशिक्षण, उपकरण और टीम किट आदि पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए हैं। एशिया-प्रशांत खेल पिछली बार 2015 में ताइवान में आयोजित किए गए थे जहां भारतीय खिलाड़ियों ने तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीते थे।

कैनबरा में अभ्यास मैच से पहले भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी
कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीज ने 30 नवंबर से प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद (दिन-रात्रि टेस्ट) अभ्यास मैच से पहले गुरुवार को यहां भारतीय क्रिकेट टीम के एक स्वागत समारोह में मेजबानी की। यह मैच मनुका ओवल में खेला जाएगा जो छह दिसंबर से एडिलेड में होने वाले दिन-रात्रि टेस्ट के लिए अच्छी तैयारी के तौर पर काम करेगा। भारत पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के शुरूआती टेस्ट में 295 रन से जीत दर्ज की थी। यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर रनों के लिहाज से टीम की सबसे बड़ी जीत है। प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अपने सभी साथियों को उनसे मिलवाया। अल्बानीज ने इस दौरान पर्थ टेस्ट में टीम की जीत के नायक रहे जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली की प्रशंसा की। ऑस्ट्रेलिया की संसद में बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, 'इस सप्ताह मनुका ओवल में प्रधानमंत्री एकादश के सामने एक शानदार भारतीय टीम के खिलाफ बड़ी चुनौती होगी। लेकिन जैसा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा है कि मैं ऑस्ट्रेलिया का समर्थन करूंगा।'

निर्वाचन अधिकारी के इस्तीफे के बाद आईजीयू चुनाव स्थगित

नई दिल्ली। निर्वाचन अधिकारी ओपी गर्ग के इस्तीफे के बाद 15 दिसंबर को होने वाले भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के चुनाव अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिए गए। बृहस्पतिवार को संचालन परिषद के सदस्यों को भेजे गए ईमेल में आईजीयू के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने चुनाव को स्थगित करने के लिए 'अपरिहार्य परिस्थितियों' का हवाला दिया। सिंह ने लिखा, 'हमारे नियंत्रण से बाहर की अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण 15 दिसंबर 2024 को निर्धारित आईजीयू की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) और चुनाव स्थगित करना आवश्यक हो गया है।' उन्होंने कहा, 'अब 15 दिसंबर 2024 के लिए मूल रूप से निर्धारित आईजीयू की एजीएम और चुनाव को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया जाता है।' यह फैसला निर्वाचन अधिकारी के तौर पर गर्ग के इस्तीफे के कारण लिया गया जिन्होंने अपने पिछले आदेश में विवादास्पद तरीके से पांच राज्य संघों को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया था।

लीवरपूल ने रीयाल मैड्रिड को 2-0 से हराया

एजेंसी
लीवरपूल

एलेक्सिस मैक एलिस्टर और कोडी गाकपो के गोल के दम पर लीवरपूल ने यूएफए चैम्पियंस लीग (सीएल) फुटबॉल मैच में रीयाल मैड्रिड को 2-0 से हराकर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। लीवरपूल की इस जीत में गोलकीपर कोइमहिन केलहर और रक्षापंक्ति के युवा खिलाड़ी कोनोर ब्रैडली ने भी प्रभावी योगदान दिया।

केलहर ने मैच के 61वें मिनट में रीयाल मैड्रिड के दिग्गज किलीयन एमबापे की पेनल्टी कीक का शानदार बचाव किया जबकि 21 साल के ब्रैडली ने मैच के दूसरे हाफ में फ्रांस के इस खिलाड़ी को गोल करने के मौका बनाने से दूर रखा। ब्रैडली का एमबाप्पे को शानदार तरीके से किया गया टैकल करना सोशन मीडिया पर वायरल हो गया। मैड्रिड की यह पांच मैचों में पांचवीं जीत है और टीम 15 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पायदान पर है। चैम्पियंस लीग के इस सत्र को नये प्रारूप में खेला जा रहा है। जिसमें जनवरी के आखिरी में शीर्ष आठ स्थान पर रहने वाली टीमें अंतिम 16 के लिए सीधे क्वालीफाई करेंगी जबकि नौ से 24वें स्थान की टीमें आठ स्थान के लिए प्लेऑफ मुकाबले में भिड़ेगी। इस हार के बाद मैड्रिड 36 टीमों की तालिका में दो जीत से छह अंक के साथ 25वें पायदान पर है। टीम की यह पांच मैचों में तीसरी हार है। लीग के अन्य मैचों में बेनफिका ने मोनाको को 3-2 से हराया। मोनाको के पास इस मैच को जीतकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचने का मौका था लेकिन टीम पांच मैचों में 10 अंक के साथ आठवें पायदान पर है। बोरुसिया डॉर्टमंड ने डाइनेमो जगरेब को 3-0 से शिकस्त दी जबकि पीएसवी आइंडहोवन ने मैच के 87वें मिनट तक 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत दर्ज की।

अचानक बना घूमने का प्लान, तो ऐसे करें फटाफट तैयारी

घूमना-फिरना किसे अच्छा नहीं लगता। घूमने का शौक रखने वालों को सफर के अनुभव के बारे में भी ध्यान रखना जरूरी है। वैसे तो यात्रा की प्लानिंग कई हिस्सों में की जाती है लेकिन कभी-कभी समय की कमी के कारण हम पूरी तैयारी नहीं कर पाते हैं। यात्रा के लिए टिकट से लेकर रहने कीव्यवस्था तक की तैयारी करनी पड़ती है। लेकिन समय अगर कम है और जल्दी में कहीं निकलना है तो हम इसी में फंसे रह जाते हैं कि क्या- क्या पैक करें और क्या छोड़ें? जल्दी में बने ट्रेवल प्लान के लिए इन टिप्स को अपनाकर आप तुरंत बैग पैक कर सकते है और अपनी टेंशन को कम कर सकते हैं।इससे आपकी जरूरत का सामान आपके साथ रहेगा और सफर में ढेरों लगेज व बैग ले जाने से आप बच जाएंगे।

ऐसे करें तैयारी

1) चेकलिस्ट बनाएं- सबसे पहले एक चेकलिस्ट बनाएं। किसी भी यात्रा के लिए पैकिंग का पहला स्टेप है चेकलिस्ट बनाना। जब भी आप किसी नई जगह की यात्रा पर जा रहे हों तो अपनी चेक लिस्ट बनाना न भूलें। साथ ही आप अपने साथ ले जाने वाले सामान का रफ आईडिया भी उसी चेक लिस्ट में करें यात्रा के कुछ समय पहले अपनी चेक लिस्ट जांच ले कि कहीं आपने कुछ छौड़ा तो नहीं हैं।

2) मेडिकल किट जरूर रखें- यात्रा के दौरान हल्की खासी जुखाम होना आम बात है। लेकिन कभा-कभी लापरवाही की वजह से तबियत ज्यादा खराब भी हो सकती है। अगर आपके साथ छौटे बच्चे हैं तो इस बात का ज्यादा ध्यान रखना पड़ता है। तबीयत खराब होने का मुख्य कारण होता है जगह का बदलाव। ऐसे में जब भी यात्रा पर जाएं अपने साथ एक मेडिकल किट जरूर रखें। येछौटा किट आपको ज्यादा महंगा भी नहीं पड़ेगा और किसी भी मेडिकल स्टोर में आसानी से मिल जाएगी।

3) जरूरी दस्तावेज जांच लें- घर से निकलने से पहले अपना पहचान पत्र,पासपोर्ट और यात्रा संबंधी अन्य जरूरी कागज अपने हैंडबैग में रख लें।

4) गाड़ी के कागजात साथ में रखें- अगर अपनी कार से यात्रा पर जा रहे हो तो ड्राइविंग लाइसेंस और गाड़ी के कागजात साथ लेना न भूलें।

5) ट्रेवल मैप रखें- जिस जगह घूमने जा रहे हैं वहां का पता, होटल या ठहरने की जगह का टेलीफोन नंबर व लोकेशन का पहले से ही पता कर लें। जिससे वहां पहुंचने पर कोई परेशानी न हो। चाहें तो ट्रेवल मैप अपने साथ रख सकते हैं।

6) खाली प्लास्टिक का बैग - एक खाली प्लास्टिक का बैग भी साथ ले जाएं ताकि इस्तेमाल हो चुके खाली लिफाफे,पेपर इत्यादि को उसमें रखकर फेंक सकें।

7) रिंकल फ्री कपड़े- ऐसे कपड़े रखें जिनमें सिकुड़न न पड़े। यानी रिंकल फ्री कपड़ों को प्राथमिकता दें।

8) सही लगेज का चुनाव- अपनी यात्रा के लिए सही आकार का लगेज चुनें। जरूरत से ज्यादा बड़े बैग का चयन ना करें। रास्ते में बड़े बैग को रखने या उठाने में ज्यादा परेशानी होती है। लगेज जितनाछौटा होगा परेशानी उतनी ही कम होगी।

9) कपड़ों में सिकुड़न पड़ भी गई है तो- अगर आपके कपड़ों में सिकुड़न पड़ भी गई है तो जगह पर पहुंचकर उन्हें बाथरूम में टांग दें। जिससे उनकी सिकुड़न कम हो सके।

10) सामान पर रखें हमेशा नजर- अपने बैग को ऐसी जगह पर रखकर नाछें जहां कोई सिक्योरटी गार्ड न हो या अपनी आंखों के सामने अपना बैग और सामान रखें।

पार्टनर के साथ रोमांटिक ट्रिप चाहते हैं तो घूमने जा सकते हैं इन जगहों पर

अगर भागदौड़ भरी जिंदगी से आप भी कुछ पल के लिए आराम पाना चाहते हैं तो आज हम आप घूमने के कुछ बढ़िया ऑप्शंस बता रहे हैं। ये ऑप्शंस ज्यादा दूर नहीं बल्कि नार्थ इंडिया में ही हैं। आजकल हर घर में हसबेंड और वाइफ दोनों वर्किंग होते हैं। जिसके चलते ऑफिस की भागदौड़ और घर की जिम्मेदारियों के चलते दोनों एक दूसरे को वक्त नहीं दे पाते हैं। इसका असर कहीं न कहीं उनके रिश्ते में देखने को मिलता है। इसलिए जरूरी है कि पैसा कमाने के साथ ही आप अपने रिश्ते पर भी ध्यान दें। अगर भागदौड़ भरी जिंदगी से आप भी कुछ पल के लिए आराम पाना चाहते हैं तो आज हम आप घूमने के कुछ बढ़िया ऑप्शंस बता रहे हैं। ये ऑप्शंस ज्यादा दूर नहीं बल्कि नार्थ इंडिया में ही हैं। पार्टनर के साथ इन जगहों की सैर कर आप रोमांस का मजा दोगुना करने के साथ ही अपने रिश्ते में एक नई मिठास ला सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर इन जगहों पर आपके रिश्तेदार रहते हैं तो आप बहुत पैसों में घूम सकते हैं। तो आइए जानते हैं क्या हैं ये जगहें–

खूबसूरत हिमाचल

हिमाचल प्रदेश की खूबसूरती का भला कौन कायल नहीं होगा! इस शहर के हिल स्टेशन अक्सर सैलानियों की लिस्ट में सबसे ऊपर रहते हैं। अगर आप अपने पार्टनर के साथ कुछ आराम के पल चाहते हैं तो उनके साथ हिमाचल प्रदेश जरूर जाएं। यहां आप प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देखने के साथ ही पार्टनर के साथ एकांत के पल बिता पाएंगे।

जयपुर

अगर आप दिल्ली या फिर उसके आसपास रहते हैं तो पार्टनर के साथ हैंगआउट करने के लिए जयपुर आपके लिए बेस्ट डेस्टिनेशन हो सकती है। यहां आप शाही किले और महल देखने के साथ ही बढ़िया शॉपिंग भी कर सकते हैं।

रत्नागिरि

महाराष्ट्र के दक्षिण-पश्चमि में स्थित रत्नागिरि एक बहुत ही प्रसिद्ध और खूबसूरत जगह है। जो लोग मुंबई के आसपास रहते हैं उनके लिए रत्नागिरि से बेस्ट विकल्प शायद ही कुछ होगा। अगर आप वीकेंड में यहां पार्टनर के साथ जाने वाले हैं तो फ्लाइट और होटल की बुकिंग पहले ही कर लें।

पुरी

अगर आप कोलकाता के आसपास रहते हैं तो इस वीकेंड ही पुरी जाने का प्लान बना लें। दरअसल, पुरी शहर उड़ीसा में पड़ता है जो वाकई बहुत खूबसूरत है। आप यहां जाएंगे तो देखेंगे कि अक्सर लव बड्र्स हाथ में हाथ डालकर यहां घूम रहे होंगे। हालांकि यहां का सी-फूड भी काफी टेस्टी होता है।

लैंसडाउन

शायद ही कोई ऐसा होगा जो अपने पार्टनर के साथ लैंसडाउन न जाना चाहे। यहां आप प्रकृति को करीब से देखने के साथ ही पहाड़ी चीजों का मजा भी लूट सकते हैं। ये मौसम यहां पार्टनर के साथ जाने के लिए एकदम परफेक्ट है।

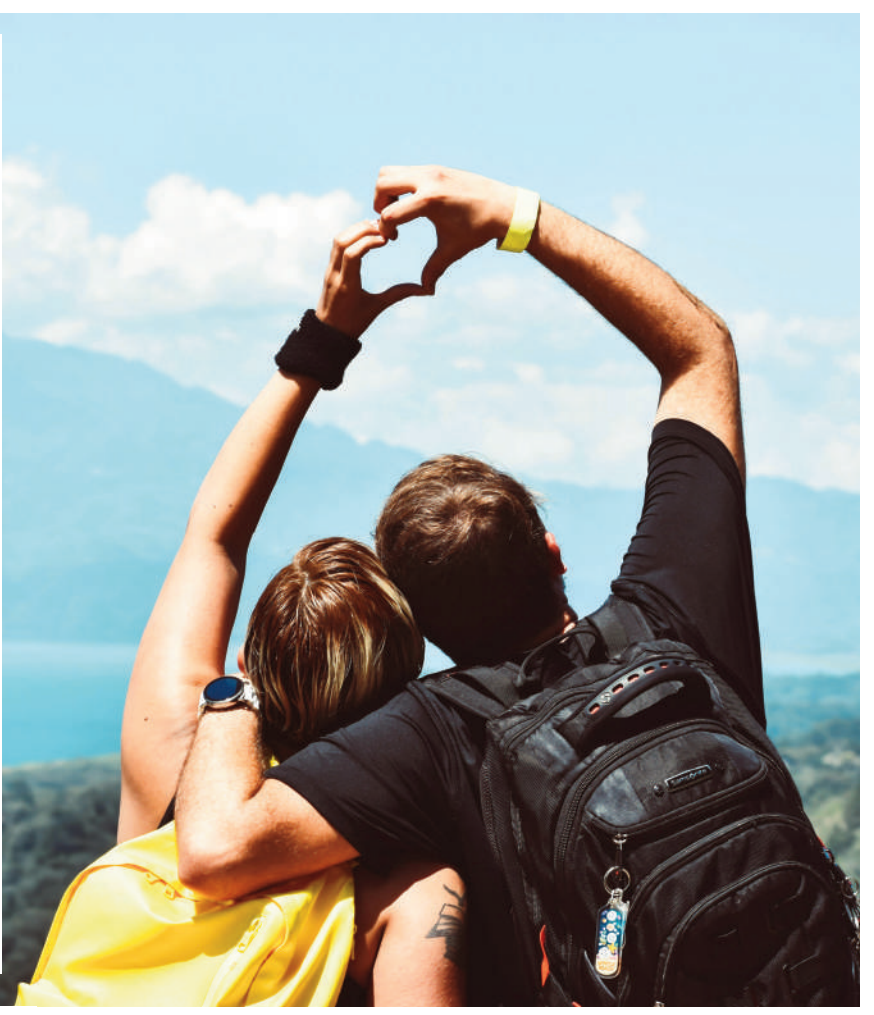

चेक गणराज्य के प्रतिनिधिमंडल द्वारा द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती हेतु प्रशासक से मुलाकात

चंडीगढ़ में ट्राम और हाइड्रोजन बसें शुरू करने का विचार प्रस्तुत किया

चंडीगढ़ के साथ सिस्टर सिटी सहयोग पर दिया मुख्य ध्यान

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

भारत में चेक गणराज्य की राजदूत डॉ. एलिस्का जिगोवा के नेतृत्व में चंडीगढ़ में चेक गणराज्य के आनरेरी कांसुलेट गुनीत चौधरी के साथ के आज एक प्रतिनिधिमंडल ने आज पंजाब राजभवन में पंजाब के राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की। बैठक दौरान विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान विशेष रूप से सिस्टर सिटी सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें पर्यावरण, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन नवाचार, शैक्षिक सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान शामिल हैं। चर्चा के दौरान, डॉ. जिगोवा ने चंडीगढ़ में अभिनव शहरी सार्वजनिक परिवहन समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने शहर के अन्दर मेट्रो प्रणाली के एक स्थायी विकल्प के रूप में ट्राम प्रणाली के कार्यान्वयन का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि ट्राम प्रणाली चंडीगढ़ के शहरी परिदृश्य के साथ सहजता से एकीकृत हो सकती है, जो इसकी समृद्ध विरासत के महत्व का सम्मान करते हुए गतिशीलता को बढ़ा सकती है। यह विचार सतत शहरी विकास की दिशा में वैश्विक प्रचलन के अनुरूप है और इसका उद्देश्य रहने योग्य उपयुक्त शहरी वातावरण का निर्माण करना है। ट्राम के अलावा, डॉ. जिगोवा ने अंतर-शहर संपर्क के लिए हाइड्रोजन बसों का विचार भी पेश किया। इन बसों को कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल सार्वजनिक परिवहन समाधानों

को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। राज्यपाल ने दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह चंडीगढ़ प्रशासन से शहर में ट्राम और मेट्रो की तुलनात्मक व्यवहार्यता और हाइड्रोजन बसों की शुरूआत पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहेंगे। चर्चा दौरान चेक गणराज्य और चंडीगढ़ के विभिन्न संस्थानों के बीच शैक्षिक सहयोग के अवसरों पर भी प्रकाश डाला गया। डॉ. जिगोवा ने दोनों क्षेत्रों के युवाओं के बीच आपसी समझ और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक छात्र आदान-प्रदान कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा। इस पहल से छात्रों के शैक्षिक अनुभवों को समृद्ध करने और दोनों संस्कृतियों के बीच संबंधों को मजबूत करने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने चंडीगढ़ में दोनों क्षेत्रों के व्यंजनों और फिल्मों सहित सांस्कृतिक आदान-प्रदान से जड़े आयोजनों में भी रुचि व्यक्त की, जो दोनों देशों की संस्कृतियों की समृद्ध पाक और सिनेमाई परंपराओं को प्रदर्शित करेंगे। पंजाब के राज्यपाल और यूटी प्रशासक श्री. गुलाब चंद कटारिया ने इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया व्यक्त की, और इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आदान-प्रदान से न केवल छात्रों को लाभ होगा, बल्कि दोनों देशों के बीच बेहतर समझ को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि ये सहयोगात्मक प्रयास चंडीगढ़ और उसके चेक समकक्षों, दोनों के लिए उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगे। इस बैठक के एक महत्वपूर्ण पहलू के तहत चंडीगढ़ और चेक गणराज्य के शहरों के बीच एक सिस्टर सिटी साझेदारी की आवश्यकता को उजागर किया गया। गुलाब चंद कटारिया ने डॉ. जिगोवा को आश्वासन दिया कि वह अपने अधिकारियों के साथ इस पहल को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाएंगे, और दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

चंडीगढ़ राष्ट्रीय शिल्प मेले का शुभारंभ आज

पंजाब के राज्यपाल व चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया करेंगे उद्घाटन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

10 दिवसीय चंडीगढ़ क्राफ्ट मेले की शुरूआत चंडीगढ़ के प्रशासक व पंजाब के राज्यपाल आज नगाड़ा बजाकर करेंगे। ये क्राफ्ट मेला उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला और चंडीगढ़ कला एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वाधान में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है जिसकी प्रतीक्षा ट्राईसिटी के लोग वर्ष भर करते हैं। जोरशोर से की जा रही मेले की तैयारियां अपने अंतिम स्तर पर हैं। कलाग्राम पर बड़ा ही आकर्षक प्रवेश द्वार बनाया गया है जो अपने चटक रंगों से दूर से ही आकर्षित कर रहा है। हस्तशिल्पियों का आना भी शुरू हो गया है, जो बड़ी ही सुंदर रंगीन स्टाल्स में अपने सामान को व्यवस्थित करने में लगे हैं। स्टेज का बैकड्रॉप भी बंगाली कारीगरों द्वारा ऐसा तैयार किया गया है जो होने वाले कार्यक्रमों को विजुअल सपोर्ट देगा। मुख्य मंच पर उद्घाटन समारोह के पश्चात 51 वाद्ययंत्रों की विशेष संगीतमयी प्रस्तुति होगी जिसके लिए कलाकारों का अभ्यास चल रहा है इस प्रस्तुति को 'रिदम ऑफ इंडिया' का नाम दिया गया है। तत्पश्चात 14 राज्यों के लोक नृत्यों के संयोजन से एक कोरियोग्राफ्ड प्रस्तुति सुशील शर्मा के नेतृत्व में 'कलर ऑफ इंडिया' थीम पर तैयार किया जा रही है। इसके पश्चात पंजाबी सूफी गायक कंवर ग्रेवाल अपने सूफियाना गायकी से दर्शकों को भाव विभोर करेंगे। मेले में लोक कलाओं पर आधारित कार्यक्रम दिनभर चलेंगे तथा शाम को नामचीन गायकों के सुरों की महफिल सजेगी। बॉलीवुड के गायक सुरेश वाडेकर और अंतिम दिन 8 दिसंबर रविवार को बॉलीवुड के ही अमित कुमार अपनी प्रस्तुति देंगे। पहले दिन कंवर ग्रेवाल की सूफियाना प्रस्तुति के अलावा मेले में अन्य दिनों में पंजाबी गायक गुरनाम भुल्लर, कुलविंदर बिल्ला, फिरोज खान और हरभजन मान के साथ ही हिमाचल प्रदेश की गायिका गीता भारद्वाज और काकू राम ठाकुर, जम्मू से चमन लहरी, कश्मीर से गुलजार गनई, उत्तराखंड के गायक इंदर आर्य अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे।

लोक कलाकारों को दिए जाएंगे अवॉर्ड

उद्घाटन समारोह में लोक कला साधक (लाइफटाइम अचीवमेंट) अवॉर्ड भी दिए जाएंगे। इस बार 'लोक संगीत' और 'लोक नृत्य' श्रेणी में दो दो लोगों का संयुक्त रूप से अवॉर्ड हेतु चयन किया गया है। 'लोक नृत्य' के लिए राजस्थान की तेरहताल की कलाकार दुर्गा देवी और हिमाचल प्रदेश के बालक राम ठाकुर और 'लोक संगीत' के क्षेत्र में पंजाब के देस राज लचकानी और जम्मू और कश्मीर की गूजरी गायक 'बेगम जान' को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया जाएगा। चारों कलाकारों में प्रत्येक को 2.5 लाख रुपए का ड्राफ्ट, सम्मान पट्टिका और शाल ओढ़ाया जायेगा। इस ही साल संस्थापित दो युवा अवॉर्ड भी दिए जाएंगे। इस वर्ष चयन समिति ने युवा अवॉर्ड के लिए हरियाणा के मनोज जाले और उत्तराखंड के सुधांशु बिष्ट को चयनित किया है। प्रत्येक को एक एक लाख रुपए का ड्राफ्ट, सम्मान पट्टिका और शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया जाएगा।

बहादुर सिंह की पुस्तक का विमोचन व कवि दरबार का हुआ आयोजन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

विश्व पंजाबी प्रचार सभा की ओर से सैनी भवन, सेक्टर 24 में प्रि. बहादुर सिंह गोसल की नवप्रकाशित पुस्तक 'साहित्य के सितारे' का विमोचन व चर्चा हुई। इसके पश्चात कवि दरबार भी हुआ। पंजाब शिक्षा के पूर्व चेयरमैन डा. बलवीर सिंह ढोल मुख्य अतिथि और वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

संस्था के अध्यक्ष और पुस्तक के लेखक बहादुर सिंह गोसल, कर्नल जगतार सिंह मुलतानी, गुरमीत सिंह जोड़ा, बलकार सिद्धू, डा. अवतार सिंह पतंग, डा. संगीता शर्मा कुन्दरा, हरदीप कौर, अध्यक्ष दिशा संस्था भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरम्भ में जगतार सिंह जोग ने प्रि. गोसल द्वारा लिखित बिल्ली ना कदे दर्द जानिया, पंजाबी सिंह सरदारा दा पुस्तक किया।

पुस्तक पर विचार कर्नल जगतार सिंह मुलतानी, प्रेम विज, डा. अवतार सिंह पतंग, परमजीत कौर परम, गुरमीत सिंह जौड़ा, बलकार सिंह, कमलजीत आदि ने रखे। कवि दरबार में डा. संगीता शर्मा कुन्दरा, बलजीत कौर मीत, भूपिंदर भागोमाजरिया, डा. पन्ना लाल मुस्तवाबादी, पाल अजनबी, प्रेम विज, कमलजीत वनवैत, बाबू राम दीवाना, अमरजीत बठलाना, जगतार जोग आदि ने भाग लिया। दर्शन सिंह सिद्धू ने कार्यक्रम का संचालन किया।

स्कूल, पंचायतों व विभागों की दीवारों पर नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 और पोर्टल को लिखवाने का चलाया अभियान

पंचकूला। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) पंचकूला के सचिव अजय कुमार घणघस ने नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 और नालसा पोर्टल के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए एक अभियान की सफल शुरुआत की घोषणा की। एसपी सिंह, जिला एवं सत्र न्यायाधीश और हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एचएएलएसए) के सदस्य सचिव के मार्गदर्शन में शुरू की गई। इस पहल का उद्देश्य कानूनी सहायता सेवाओं को सभी के लिए आसानी से सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि यह अभियान पंचकूला जिले में सार्वजनिक स्थानों पर दीवारों पर दृश्य प्रदर्शनों के माध्यम से जागरूकता फैलाने पर केंद्रित है। नालसा हेल्पलाइन और पोर्टल के बारे में जानकारी जिले के हर कोने तक पहुंचे। यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों और संस्थानों को इस प्रयास में सक्रिय रूप से भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं।

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी कमीशन के चैयरमेन ने की अधिकारियों और सफाई कर्मचारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता

हर महीने की 7 तारिख को सफाई कर्मचारियों को वेतन मुहैया करवाने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण
पंचकूला

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी कमीशन के चैयरमेन एम वैंकटेशन ने लोक निर्माण विभाग सैक्टर-1 के विश्राम गृह में आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिला के नगर निगम अधिकारियों से सफाई कर्मचारियों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा व विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों का वेतन महीने की 7 तारीख तक उनके खाते में जाना चाहिए व उनकी समस्याओं का तय समय सीमा में निदान होना चाहिए। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी कमीशन के चैयरमेन ने बताया कि कमीशन का उद्देश्य है कि देश के सफाई कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ जल्द से जल्द उपलब्ध करवाना है और उनकी समस्याओं को दूर करना है। इसको लेकर कमीशन प्रयासरत है। एम वैंकटेशन ने सफाई कर्मचारियों को नियमित करने पर भी

विस्तार से चर्चा की। उन्होंने डोर टू डोर कूड़ा एकत्रित करने वाले सफाई कर्मचारियों को 15 दिनों में वर्दी व आई कार्ड सभी संबंधित विभागों को देने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुक्त नगर निगम व अन्य विभागों को निर्देश दिए कि जिले के सफाई कर्मचारियों को सभी सुविधाएं समय पर उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। इसमें किसी प्रकार की कोताही की गुंजाईश नही है। चैयरमेन ने इसके उपरांत सफाई कर्मचारियों के नेता व मोरनी, पिंजौर, बरवाला, रायपुररानी ब्लॉक व जिले से आए सफाई कर्मचारियों से सीधे बातचीत की। उन्होने प्रत्येक ब्लॉक के पुरूष व महिला कर्मचारियों से सीधे बातचीत कर उनको समय पर वेतन, वर्दी ईपीएफ, स्वास्थ्य कार्ड, ग्रुप बीमा, स्वास्थ्य कैंप के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनकी समस्याएं सुनी व संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्याओं का निदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों को साल में दो बार सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए और जो कर्मचारी छुट्टी के दिन सफाई करता है, उसको डबल वेतन दिए जाने के भी निर्देश दिए।

संक्षिप्त-समाचार

बरवाला अनाज मंडी में अनुदान पर खरीदे गए कृषि यन्त्रों का भौतिक सत्यापन कल

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2024-25 के दौरान 50 प्रतिशत अनुदान पर खरीदे गए कृषि यन्त्रों, मशीनों का भौतिक सत्यापन मोबाईल ऐप के माध्यम से पूरा राज्य के समस्त जिलों में दिनांक 30 नवम्बर 2024 को किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि जिले के किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर सुपर सीडर, बेलर, हे-रेक, शर्ब मास्टर मशीनों हेतू ऑनलाईन आवेदन दिनांक 4 अगस्त 2024 तक भरे गए थे। योग्य पाए गए किसानों द्वारा ऑनलाईन बिल दिनांक 30 सितम्बर 2024 तक जमा करवाए गए थे। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 32 किसानों द्वारा बिल प्राप्त हुए है, जिनमें 28 सुपर सीडर एवं चार शर्ब मास्टर मशीनों के है। उन्होंने बताया कि इन सभी कृषि यन्त्रों का भौतिक सत्यापन दिनांक 30 नवम्बर 2024 को एक ही दिन उपायुक्त पंचकूला द्वारा गठित कमेटी द्वारा अनाज मण्डी बरवाला में सुबह 10.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक मोबाईल ऐप के माध्यम से किया जाएगा। इसके पश्चात किसी भी किसान को भौतिक सत्यापन का कोई भी अतिरिक्त मौका नहीं दिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि लाभार्थी किसानों को अपनी मशीन पर पक्के पेंट से अपना नाम, पिता/पति का नाम, गांव का नाम एवं सीआरएम वर्ष 2024-25 के तहत अनुदान पर प्राप्त मशीन के मेन फ्रेम पर बड़े-बड़े अक्षरों में साफ-साफ लिखा होना चाहिए। लाभार्थी किसान का स्वयं मौके पर हाजिर होना अनिवार्य है। भौतिक सत्यापन हेतू उपायुक्त, पंचकूला द्वारा गठित कमेटी में जिलें के जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, उप कृषि निदेशक, सहायक कृषि अभियन्ता, जिला उद्यान अधिकारी एवं प्रतिनिधि, जीएसटी विभाग, पंचकूला शामिल है।

समाज में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के सशक्त सिपाही बनकर कार्य करें युवा: अमनीत पी कुमार

पंचकूला। महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा सचिव एवं आयुक्त अमनीत पी कुमार ने म्हारी लाडो कार्यक्रम के अंतर्गत शहीद मेजर अनुज राजपूत राजकीय आदर्श संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 20, पंचकूला में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी सीमा रोहिल्ला ने बताया कि आकाशवाणी के तहत ऑल इंडिया रेडियो से प्रसारित म्हारी लाडो के तहत विशेषज्ञों से वार्ता प्रसारित हुई। समस्त वार्ता मुख्य अतिथि के समक्ष सभी बच्चों को सुनाई गई। जिसमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या भ्रूण हत्या, बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे विभिन्न विषयों के बारे में बच्चों को अवगत कराया गया। सभी बच्चों ने कार्यक्रम को धैर्य पूर्वक सुना और कार्यक्रम प्रसारण के पक्ष अपनी जिज्ञासाएं आए हुए अधिकारियों के समक्ष व्यक्त की। कार्यक्रम में किरण भाटिया जिला सयोंजक के साथ अन्य अधिकारियों ने शिरकत की। म्हारी लाडो कार्यक्रम प्रसारण के उपरांत माननीय आयुक्त एवं सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया। उन्होंने बालिका शिक्षा कन्या भ्रूण हत्या नारी सशक्तिकरण जैसे गंभीर विषयों पर बच्चों से बात की। हरियाणा की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी बच्चों को अवगत करवाया और बच्चों से कहा कि युवा वर्ग समाज में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के सशक्त सिपाही बनकर कार्य करें। ताकि हमारे समाज से इस कुरीति का उन्मूलन हो सके। विद्यालय से छात्र शिवांगी पांडे, देवकी, पूजा,कार्तिक, वरदान आदि अनेक छात्रों ने अपनी बात रखी। बालिका शिक्षा विषय पर कविता पाठ भी किया गया। मुख्य अतिथि ने विभाग की तरफ से इन सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित किया। विद्यालय प्राचार्य की ओर से मुख्य अतिथि को आदर प्रतीक के रूप में एक पौधा प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में बाल विवाह कुरीति के उन्मूलन के लिए सभी ने शपथ ली।

गांव कोना व गांव नानकपुर में दो अवैध कॉलोनियों में करीब 10 डीपीसी ध्वस्त

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि सहायक नगर योजनाकार पंचकूला के नेतृत्व में जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अर्बन एरिया पंचकूला में कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही में गांव कोना व गांव नानकपुर में पनप रही 2 अवैध कॉलोनियों में करीब 10 डीपीसी को जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया गया। उक्त कार्यवाही में अशोक कुमार, सहायक नगर योजनाकार, डीम्पी राठी सहायक नगर योजनाकार व ड्यूटी मैजिस्ट्रेट ललित नंदा, उपमंडल अभियंता, हाउसिंग बोर्ड कोरपोरेशन, पंचकूला एवं भारी पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई। उन्होंने आम जनता से अनुरोध किया जाता है कि विभाग से सी.एल.यु/लाईसेंस की अनुमति लिए बिना काटी गई अवैध कॉलोनियों में मकान या दुकान ना लेवें। ताकि जनता की कड़ी मेहनत का पैसा बर्बाद न हो और अनाधिकृत अवैध निमार्णो पर रोक लग सके।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर की करी अध्यक्षता

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने आज लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता की। उपायुक्त ने समाधान शिविर में आई शिकायतों के जल्द निपटान के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश दिए। उपायुक्त ने पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारियों को घर के सामने मजबूत ढंगा लगवाने के निर्देश दिए। गांव गवाली निवासी शिवानी ने शिकायत में बताया कि उसके घर के सामने से पीडब्ल्यूडी विभाग ने रोड का निर्माण किया था। साथ ही घर से आवाजाही के लिए ढंगा भी बनाया था, जो एक साल के अंदर ही गिर गया। अब वो कई बार पीडब्ल्यूडी के कार्यालय में जा चुकी हैं, लेकिन अभी तक उसकी सुनवाई नहीं हो पा रही है। हमारे घर पर आने-जाने के दोनों रास्ते बंद हो चुके हैं। उपायुक्त ने नगर पालिका कालका को निर्देश दिए कि वो गांव रतनपुर में धर्मशाला के निर्माण के बारे में रिपोर्ट बनाकर भेजें। ग्रामीणों ने गांव रतनपुर में धर्मशाला बनवाने की मांग की।

पीजीआई में आईसीआरआई के डॉ राजेंद्र राव सीएमई का समापन

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

वर्ष 2024 के लिए इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) के प्रतिष्ठित डॉ राजेंद्र राव सीएमई का पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में समापन हुआ। 'कार्डियोवैस्कुलर एंड इंटरवेंशन' की थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में हृदय और रक्त वाहिकाओं की इमेजिंग में सीटी और एमआरआई की भूमिका और महत्व पर चर्चा की गई। इस बात पर भी विस्तृत चर्चा की गई कि किस तरह इमेज-गाइडेड मिनिमली इनवेसिव इंटरवेंशन ने मस्तिष्क, रीढ़, छाती और पेट की विभिन्न विकृतियों के प्रबंधन को बदल दिया है।

सम्मेलन का आयोजन इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) के चंडीगढ़ चैप्टर द्वारा किया गया था और इसमें पूरे उत्तर भारत से व्यापक भागीदारी देखी गई। मुख्य अतिथि डॉ संजय जैन, डीन रिसर्च, पीजीआई ने शरीर में बड़े चीरे की आवश्यकता के बिना इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईआर) द्वारा उपचार करने में रेडियोलॉजी विभाग के प्रयासों की सराहना की। रेडियोलॉजी विभाग के प्रमुख और सम्मेलन के संरक्षक डॉ परमजीत सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन अध्यक्ष डॉ. नवीन कालरा ने इस तरह की गतिविधियों की व्यवस्था करके भारत भर में रेडियोलॉजी शिक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने में आईआरआईए के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने पंजाब, ऋषिकेश, हैदराबाद और नई दिल्ली सहित दूर-दूर से आए शिक्षकों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने शिक्षण और विचार-विमर्श में कड़ी मेहनत की।

प्रशिक्षणात्मक व्याख्यानों के अलावा, क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा आईआर की विभिन्न तकनीकों को सीखने के लिए छात्रों के लिए व्यावहारिक कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ. समीर व्यास ने सम्मेलन के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आयोजन टीम में सभी के समर्पण के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। डॉ. हरीश भुजडे सम्मेलन के कोषाध्यक्ष थे। सम्मेलन में चंडीगढ़ और पड़ोसी राज्यों से 220 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

20.70 लाख में बिका नई सीरीज का 0001 नंबर

चंडीगढ़। शहर में फैंसी और वीआईपी नंबर खरीदने का काफी क्रेज है। शहरवासियों में अपनी लग्जरी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगाने की चाहत रहती है। इसके लिए वह पैसे की भी परवाह नहीं करते हैं। हर बार की तरह इस बार भी शहर के लोगों ने फैंसी नंबर के लिए की गई ई-नीलामी में दिल खोल कर बोली लगाई है। सेक्टर-17 स्थित रजिस्टरिंग व लाइसेंसिंग अथॉरिटी (आरएलए) ने नई सीरीज सीएच01-सीएक्स के फैंसी नंबरों की ई-नीलामी की। इसे वीआईपी नंबर का स्वैग ही कहेंगे कि 0001 नंबर के लिए सबसे बड़ी बोली 20 लाख 70 हजार रुपये की लगी। जबकि दूसरे नंबर पर सबसे अधिक राशि पर आठ लाख 90 हजार रुपये में नंबर नीलाम हुआ है। यह नंबर सीएच01-सीएक्स 0007 है। वहीं, सीएच01-सीएक्स-0005 8.11 लाख और सीएच01-सीएक्स-0009 7.99 लाख रुपये में नीलाम हुआ। जबकि, सीएच01-सीएक्स-9999 के लिए अधिकतम 6.01 लाख, सीएच01-सीएक्स-0004 के लिए 4.91 लाख, सीएच01-सीएक्स-0006 के लिए 4.71 लाख रुपये की बोली लगी।

हरमीत देसाई को कुशल चोपड़ा ने राउंड ऑफ 32 में किया बाहर

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

पंजाब विश्वविद्यालय के जिम्नेजियम हॉल में आयोजित आरबीआई@90 51वीं संस्थागत टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अप्रत्याशित मोड़ देखने को मिले, क्योंकि शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को उभरती प्रतिभाओं ने बाहर कर दिया। इस आयोजन में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और भारतीय टेबल टेनिस में होनहार युवाओं के उदय को उजागर किया गया।

एक बड़े उलटफेर में, पुरुषों के शीर्ष वरीयता प्राप्त हरमीत देसाई को 17 वर्षीय कुशल चोपड़ा ने राउंड ऑफ 32 में बाहर कर दिया, जिन्होंने असाधारण कौशल और संयम का प्रदर्शन किया। महिलाओं की ओर से, चौथी वरीयता प्राप्त सुतीर्था मुखर्जी को एफसीआई की उभरती हुई स्टार वंशिका मुदगल के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। प्री-क्वार्टर फाइनल में अपेक्षित जीत और नाटकीय वापसी का मिश्रण देखने को मिला। एएआई की स्वास्तिका घोष ने दूसरी वरीयता प्राप्त अयहिका मुखर्जी को हराया, जबकि तमिलनाडु की श्रेया आनंद ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए केनरा बैंक की मारिया रोनी को 3-2 से हराया। आरबीआई की श्रीजा अकुला ने पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन मधुरिका पाटकर के खिलाफ दो मैच प्वाइंट बचाकर लचीलापन दिखाया और फिर कौशानी नाथ पर शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के ड्रॉ में, पायस जैन की शुरूआती बढ़त दृढ़ निश्चयी आकाश पाल को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं थी, जिन्होंने कड़े मुकाबले में 3-2 से जीत हासिल की।

एनएचपीसी क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ को राजभाषा में अच्छा कार्य करने हेतु 'प्रशस्ति पत्र' प्राप्त

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

एनएचपीसी लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ जो कि निगम मुख्यालय तथा अपनी अधीनस्थ परियोजनाओं/पावर स्टेशनों के साथ समन्वयक के रूप में काम करता है। राजभाषा की दृष्टि से एनएचपीसी लिमिटेड का क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ 'ख' क्षेत्र के अंतर्गत स्थित है।

यह कार्यालय कार्यपालक निदेशक महोदय निर्मल सिंह की अगुवाई में राजभाषा के क्षेत्र में भी अच्छा कार्य कर रहा है जिसकी सराहना निगम मुख्यालय द्वारा इस कार्यालय को वर्ष 2023- 24 में हिंदी के प्रचार - प्रसार को गति प्रदान करने के लिए दिनांक 27 नवंबर 2024 को 'राजभाषा शील्ड' तथा 'प्रशस्ति पत्र' से नवाज कर की गई, जो कार्यपालक निदेशक महोदय सहित सभी कार्मिकों के लिए गौरव तथा हर्ष का पल है, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की ओर से यह पुरस्कार अमित अग्रवाल, समूह वरिष्ठ प्रबंधक -मानव संसाधन ने प्राप्त किया।

क्रिएट इन इंडिया चैलेंज का ग्रैंड फिनाले 5 से 9 फरवरी 2025 को दिल्ली में

पीआईबी द्वारा पीयू के छात्रों के लिए इंटरैक्टिव सत्र आयोजित

सिटी दर्पण
चंडीगढ़

प्रेस सूचना ब्यूरो, चंडीगढ़ ने पंजाब विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन स्कूल के सहयोग से आज वीरवार पंजाब विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज सीजन 1' के बारे में जागरूकता बढ़ाने और भागीदारी बढ़ाने के लिए एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। यह क्रिएट इन इंडिया चैलेंज 27 प्रतियोगिताओं/चुनौतियों की एक श्रृंखला है, जो विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही है, जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक मीडिया और मनोरंजन शिखर सम्मेलन है। क्रिएट इन इंडिया चैलेंज का ग्रैंड फिनाले 5से 9 फरवरी 2025 के दौरान नई दिल्ली के भारत मंडपम में वेव्स के दौरान आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीआईबी चंडीगढ़ के संयुक्त निदेशक दीप जॉय मम्पिली ने छात्रों को क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के बारे में जानकारी दी और उन्हें बताया कि यह उनके लिए सीखने, एक्सपोजर हासिल करने, मेंटरशिप पाने और अपने पेशे और क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने का एक बहुत अच्छा अवसर प्रस्तुत करता है। उन्होंने बताया कि पूरे भारत के छात्र एनीमेशन, गेमिंग, कॉमिक्स, फिल्म, जनरेटिव एआई, ब्रॉडकास्टिंग और अन्य जैसे विविध क्षेत्रों में 27 चुनौतियों में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि वेव्स छात्रों और शौकिया कंटेंट क्रिएटर्स को मुख्यधारा के पेशेवरों के साथ बातचीत करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे दोनों के बीच की खाई को पाटा जा सके। मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि जीवन

का कोई भी पहलू ऐसा नहीं है जो मीडिया और संचार से प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि यह शिखर सम्मेलन भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाने और मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में विकास, सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कंटेंट निर्माण को प्रोत्साहित करने का काम करता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पीआईबी चंडीगढ़ की मीडिया एवं संचार अधिकारी वटिका चंद्रा ने एक प्रस्तुति दी तथा छात्रों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने मंत्रालय के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विशेष आउटरीच कार्यक्रमों पर भी जोर दिया, ताकि अंतिम नागरिक तक सूचना पहुंचाई जा सके। स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज की प्रोफेसर अर्चना आर सिंह ने भी सत्र में भाग लिया और छात्रों से बातचीत की। वेव्स शिखर सम्मेलन पूरे मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के लिए दुनिया का पहला अभिसरण कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाना और इस प्रकार भारत को वैश्विक स्तर पर कंटेंट निर्माण का केंद्र बनाना, इसकी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना और मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में वैश्विक निवेश आकर्षित करना है। 'क्रिएट इन इंडिया चैलेंज: सीजन 1' अपनी तरह का पहला ऐसा चैलेंज है जो तकनीक के जानकार युवाओं को फिल्म निर्माण, गेमिंग, वीएफएक्स, एनीमेशन, एआई आर्ट और कॉमिक्स निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में अवसरों के माध्यम से मुख्यधारा के मीडिया और उद्योग में शामिल होने के लिए मंच प्रदान करता है।